दैनिक

खबरों के सच का निर्भीक आइना

कीर्तिप्रभा

रीवा ■ भोपाल से एक साथ

वर्ष: 28, अंक: 184 पृष्ठ 12, रीवा

शुक्रवार 27 मार्च 2026

मूल्य: 3.00 रुपए

रामनवमी पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति समेत कई नेताओं ने दी देशवासियों को शुभकामनाएं

प्रभु श्रीराम के जीवन से त्याग, समरसता और आदर्श जीवन-मूल्यों का संदेश मिलता है

नई दिल्ली, मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन समेत कई नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के जीवन से त्याग, समरसता और आदर्श जीवन-मूल्यों का अनमोल संदेश मिलता है। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर लिखा- सभी देशवासियों को रामनवमी के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। यह त्योहार हमें न्याय, कर्तव्य और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। आइए, उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए हम रामराज्य की परिकल्पना के अनुरूप, एक समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण के लिए मिलजुल कर कार्य करें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने एक्स पर लिखा- मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव, रामनवमी के इस पावन एवं गौरवशाली अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई और अनंत शुभकामनाएं। धैर्य, त्याग और न्यायप्रियता के प्रतीक भगवान राम का जीवन संपूर्ण मानवता के लिए न्याय, सत्य और अटूट मर्यादा का सर्वोच्च आदर्श है। उनके आदर्श हमें सामाजिक समरसता, सदाचार और जनसेवा के मार्ग पर युगों-युगों तक अग्रसर रहने की प्रेरणा देते रहेंगे।

उन्होंने लिखा- प्रभु श्रीराम की कृपा से अधर्म पर धर्म की विजय हो, समाज से अनाचार, अहंकार और अशांति का सर्वनाश होकर एक बेहतर समाज का निर्माण हो और हमारा राष्ट्र निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर रहे यही मंगलकामना है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने भी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा कि भारत की आस्था, श्रद्धा और सांस्कृतिक आत्मा के अमिट प्रतीक, लोकमंगल, मर्यादा, करुणा और धर्म के दिव्य आलोक से समूचे राष्ट्रजीवन को आलोकित करने वाले हम सबके आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान प्रभु श्रीराम के पावन अवतरण दिवस श्रीराम नवमी की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लिखा- मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी के पावन अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि हम सभी सत्य, सेवा और समर्पण के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित हों। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए लिखा- अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक प्रभु श्रीराम का संपूर्ण जीवन धैर्य, त्याग, तपस्या और लोक-कल्याण का अनुपम आदर्श है। रामराज्य की परिकल्पना हमें एक न्यायप्रिय और समृद्ध समाज के निर्माण के लिए निरंतर प्रेरित करती है। वहीं उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी ने प्रदेशवासियों को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव श्री रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए एक्स पोस्ट में कहा कि भगवान श्रीराम का संपूर्ण जीवन चरित्र हमें कर्तव्यनिष्ठा के साथ सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि आप सभी का जीवन सुख, समृद्धि एवं खुशहाली से परिपूर्ण हो तथा प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे।

पंजाब सरकार का बड़ा यू-टर्न- अब मुफ्त में मिलेगी एफआईआर की कॉपी

लुधियाना पंजाब की मान सरकार ने अपने फैसले पर ब्रेक लगाकर जनता को बड़ी राहत दी है। पंजाब पुलिस की वेबसाइट से एफआईआर (एफआईआर) डाउनलोड करने पर लगाए गए 80 रुपये के सेवा शुल्क को वापस ले लिया गया है। इस संबंध में पुलिस विभाग द्वारा पुराना नोटिफिकेशन रद्द कर नए आदेश जारी कर दिए गए हैं।

-बिल को लेकर सैन्य बलों में भी नाराजगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा अर्धसैनिक बलों में भर्ती और पदोन्नति से जुड़ा नया विधेयक राज्यसभा में पेश किए जाने के बाद व्यापक विरोध देखने को मिल रहा है। इस बिल में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में उच्च पदों पर नियुक्ति और प्रमोशन की प्रक्रिया में बदलाव का प्रावधान किया गया है। सरकार का तर्क है कि इससे प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी और बलों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा।

अयोध्या पहुंचे दिग्विजय सिंह हनुमान गढ़ी और राम मंदिर में किए दर्शन

अयोध्या, मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह गुरुवार को अयोध्या पहुंचे। दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर में पूजा-अर्चना की और कहा कि उन्होंने मंदिर निर्माण का कभी विरोध नहीं किया, बल्कि इसके विपरीत मंदिर ट्रस्ट को दान भी दिया। दिग्विजय सिंह गुरुवार को अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचे और वहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राम नवमी के शुभ अवसर पर मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की पुनर्विचार याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भूमि अधिग्रहण से जुड़े महत्वपूर्ण मामले में बड़ा फैसला सुनाकर स्पष्ट किया कि मुआवजे और ब्याज की राशि सरकार या किसी प्राधिकरण पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ के आधार पर तय नहीं हो सकती। शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की पुनर्विचार याचिका को खारिज कर कहा कि उचित मुआवजा देना एक संवैधानिक अधिकार है, जिसे कमजोर नहीं किया जा सकता।

अलग-अलग जगह से 30 लाख से ज्यादा का नशा पकड़ा,

जयपुर, राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने के खिलाफ एक बड़े अभियान के तहत एक ही दिन में प्रदेश के विभिन्न जिलों में छापे बड़ी कार्रवाई कर करीब 30 लाख 32 हजार रुपये के मादक पदार्थ जब्त किए।

छिंदवाड़ा में सीएम के कार्यक्रम से लौट रही बस दुर्घटनाग्रस्त, 11 की मौत

छिंदवाड़ा में दर्दनाक हादसा! CM के कार्यक्रम से लौट रही बस दुर्घटनाग्रस्त,11 की मौत

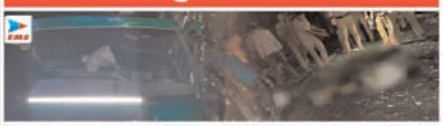

छिंदवाड़ा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यक्रम से लौट रही एक बस गुरुवार शाम दुर्घटना का शिकार हो गई। बस में सवार 41 यात्री घायल हुए जबकि 11 की मौत होने की खबर मिल रही है। जिसमे 7 पुरुष 3 महिलाएं एवं 1 बच्चा शामिल है।मिली जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव छिंदवाड़ा जिले में विभिन्न कार्यक्रमों के लोकार्पण समारोह में हिस्सा लेने आए हुए थे इस दौरान उनके कार्यक्रम से वापस लौट रही एक बस सिमरिया के पास चिखली में हादसे का शिकार हो गई। दरअसल बस क्रमांक एमपी28पी0321 सामने से आ रही एक पिकअप क्रमांक एमपी28जेडडी1209 से टकरा गई। टक्कर के बाद बस अनियंत्रित होकर नजदीकी गड्ढे में जा गिरी। बताया जाता है कि बस में लगभग 55 यात्री सवार थे इनमें से 41 यात्री चोटिल हुए थे जिसमें गंभीर रूप से घायल होने पर दो दर्जन से अधिक लोगों को जिला अस्पताल लाया गया जहां पर पहुंचने के बाद 11 लोगों की मौत होने की खबर सामने आई है। बताया जाता है कि हादसे का शिकार हुए ग्रामीण मोहखेड़ जनपद के अंतर्गत ग्राम करेल, भंडारकुंड और ग्वारा गांव से सीएम के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे।

पिकअप से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिरी थी बस

बस में आग, 13 लोग जिंदा जले

मरकापुरम आंध्र प्रदेश के मरकापुरम जिले में रायवरम के पास गुरुवार को एक सड़क हादसा हुआ। एक प्राइवेट ट्रैवल बस और डंपर में टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही बस में आग लग गई। बस में सवार 13 यात्री जिंदा जल गए। हालांकि पहले पुलिस की तरफ से पहले 14 मौतों की जानकारी दी गई थी। बाद में सीएम ऑफिस ने मौत का आंकड़े में ऑफिशियल कंफर्मेशन दिया। अधिकारियों ने बताया कि हरिकृष्णा ट्रैवल्स की बस तेलंगाना के निर्मल से नेल्लोर जा रही थी। हादसा सुबह 6:00 बजे के करीब हुआ। आग पर करीब तीन घंटे में काबू पाया गया। मरकापुरम के एसपी वी हर्षवर्धन राजू ने कहा, 'ऊपर ड्राइवर समेत 22 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस में 35 यात्री सवार थे। घटना की पूरी जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने लोगों की मौत पर दुख जताया।

जयशंकर का जबाव.....भारत अब किसी बाहरी दबाव में नहीं झुकता

नई दिल्ली, भारत की विदेश नीति ने हाल ही में एक नया आयाम प्राप्त किया है। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सर्वदलीय बैठक में बेबाकी और ठोस अंदाज में बताया कि भारत अब किसी बाहरी दबाव में नहीं झुकता और अपने राष्ट्रीय हितों के लिए हर मोर्चे पर संतुलित और आक्रामक रणनीति रखता है। उन्होंने कहा कि इजराइल ने भारत को सैन्य संघर्षों में महत्वपूर्ण मदद दी और रक्षा प्रौद्योगिकी में भागीदारी साझेदार साबित हुआ। यह बयान पहले छुपी हुई कूटनीतिक हकीकत को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने जैसा था। बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि अमेरिका भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार और उच्च तकनीक का स्रोत है, जबकि इजराइल रणनीतिक और तकनीकी सहयोग में अग्रणी है। विपक्ष द्वारा अमेरिका और इजराइल के साथ भारत की नजदीकियों पर सवाल उठने के बावजूद, जयशंकर ने इन सवालों का जवाब तथ्यों के साथ दिया। जयशंकर ने बैठक को संबोधित कर कहा कि भारत ने कई मोर्चों पर अपनी ताकत दिखाई है। इजराइल के साथ मजबूत रक्षा संबंधों के साथ ही भारत ने ईरान के साथ भी संतुलित और स्थिर संबंध बनाए रखे। होर्मुज जलडमरूमध्य से चार भारतीय जहाजों को सुरक्षित गुजरने की अनुमति देने जैसे कदम भारत की सामरिक स्थिति की मजबूती को दिखाते हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता के निधन पर भारत ने समय पर शोक संवेदना व्यक्त कर यह संदेश दिया कि वह किसी एक पक्ष के साथ खड़ा नहीं होता। साथ ही, खाड़ी देशों में रहने वाले अस्सी लाख भारतीयों की सुरक्षा को प्राथमिकता देकर भारत ने संतुलन बनाए रखा। ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों के बीच न ईरान से दूरी बनाई और न ही खाड़ी देशों की अनदेखी की।

देश में आईएएस के 1300 और आपीएस के 605 पद खाली हैं

- ओडिशा में 63 तथा मध्यप्रदेश में 48 पद रिक्त

नई दिल्ली, देश में प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर एक बड़ी चिंता सामने आई है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के करीब 1300 और भारतीय पुलिस सेवा (आपीएस) के 605 पद वर्तमान में खाली पड़े हैं। यह स्थिति शासन-प्रशासन के कामकाज पर असर डाल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, 1 जनवरी 2025 तक की स्थिति में विभिन्न राज्यों में अधिकारियों की कमी साफ देखी जा रही है। ओडिशा में आईएएस के सबसे अधिक 63 पद रिक्त हैं, जबकि मध्यप्रदेश में आपीएस के 48 पद खाली हैं। इससे कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों की गति प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। देशभर में अखिल भारतीय सेवाओं के कुल स्वीकृत पदों की संख्या हजारों में है, लेकिन बड़ी संख्या में पद खाली होने के कारण कार्यरत अधिकारियों पर अतिरिक्त जिम्मेदारी बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे प्रशासनिक दक्षता पर दबाव पड़ता है और नीतियों के क्रियान्वयन में देरी हो सकती है।हालांकि, केंद्र सरकार का कहना है कि इन रिक्तियों को भरने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के माध्यम से हर साल नियमित भर्ती प्रक्रिया जारी है। बीते वर्षों में भी सिविल सेवा परीक्षा के जरिए सैकड़ों नए अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।फिलहाल, बढ़ती रिक्तियों को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि क्या मौजूदा भर्ती प्रक्रिया इस कमी को समय रहते पूरा कर पाएगी या नहीं।

पेट्रोल खत्म होने की अफवाह.....देशभर में पेट्रोल पंप पर गाड़ियों की लंबी-लंबी कतारें

उत्तर से लेकर दक्षिण तक के राज्यों में दिख रहा यही नजारा

नई दिल्ली, । मध्यप्रदेश और गुजरात के बाद अब उत्तर प्रदेश और असम तक पेट्रोल-डीजल को लेकर भगदड़ देखने को मिल रही है। बीती रात प्रयागराज, गोंडा, सिद्धार्थनगर, शाहजहांपुर, देवरिया, संत कबीर नगर सहित कई जिलों में पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें देखी गईं। हालांकि जिला प्रशासन लगातार लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और पर्याप्त स्टॉक होने की बात कह रहा है। प्रयागराज में पेट्रोल की पर्याप्त उपलब्धता के बावजूद अफवाह फैलने से पंपों पर भारी भीड़ जमा हो गई। इस अफवाह के बाद लोग डर के कारण अपनी गाड़ियों की टंकियां फुल कराने के लिए पहुंच गए, जिससे कई जगह अव्यवस्था की स्थिति बनी। इस तरह यूपी के देवरिया में भी सुबह से ही पेट्रोल खत्म होने की चर्चा फैल गई, जिसके बाद लोग पंपों पर उमड़ पड़े। इसके बाद देवरिया की डीएम दिव्या मित्तल ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सुचारु है और किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है। गोंडा में गुरुवार को पेट्रोल लेने वाले की भीड़ अचानक पंपों पर बढ़ी, दो एक पेट्रोल पंपों के बंद होने के कारण अफरातफरी मच गई, जिससे पंपों पर पेट्रोल भरवाने के लिए गाड़ियों की लंबी लंबी लाइनें लग गईं। यह आलम तब है जब शहर के एक पेट्रोल पंप मालिक विजय तिवारी ने बताया कि हमारे पास पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। इसके बाद अपर जिला अधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि जिले में पर्याप्त तेल का स्टॉक मौजूद है एडीएम ने बताया कि अफवाह फैलाने वालों पर कड़ा एक्शन होगा। मध्य प्रदेश के इंदौर में भी इसी तरह के हालात दिखाई दिए। इंदौर में पेट्रोल-डीजल की कमी की लेकर वायरल वीडियो और अफवाहों के बाद प्रशासन सख्त हुआ और अफवाह फैलाने वालों पर एफआईआर दर्ज करने की तैयारी की जा रही है। वहीं देवास में पेट्रोल पंप पर लंबी लाइन देखकर चैक कर्मचारी घोड़े पर बैठकर आफिस पहुंच गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वहीं भोपाल में एक पेट्रोल पंप द्वारा 200 रुपये से ज्यादा पेट्रोल न देने के आदेश के बाद प्रशासन ने छापा मारकर पंप को सील किया।

आज शाम राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सीएमओं के साथ पीएम मोदी की चर्चा

संकट में टीम भावना से होगा काम..... जहां आचार संहिता लागू उन राज्यों के सीएम नहीं हो रहे शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार शाम को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंस से बात करने वाले है। इस दौरान पश्चिम एशिया में जारी हालात और उसकी वजह से देश में पैदा हुई परिस्थितियों और उससे निपटने के लिए की जा रही तैयारियों पर चर्चा हो सकती है। जानकारी के अनुसार पीएम मोदी के साथ शाम 6.30 बजे की वीडियो कॉन्फ्रेंस में चुनावी राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल नहीं होने वाले हैं, क्योंकि वहां आचार संहिता लागू है।

इसके पहले पीएम मोदी ने लोकसभा और राज्यसभा में पश्चिम एशिया के हालात, भारत में मौजूदा परिस्थिति और उससे निपटने की सरकार की तैयारियों के बारे में बताया है। केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक में भी विपक्षी दलों के साथ ताजा स्थिति साझा की है। पीएम मोदी ने कहा है कि दुनिया में हालात विषम हैं, लेकिन संकट से निपटने के प्रति सरकार संवेदनशील, सावधान और सतर्क है।

संसद में पीएम मोदी ने कहा कि ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी युद्ध की वजह से देश में जो हालात पैदा हुए हैं, उससे निपटने के लिए एकजुटता के साथ काम करने की जरूरत है। कोरोना संकट के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी इसी तरह से मुख्यमंत्रियों को भरोसे में लेकर टीम इंडिया की भावना के साथ काम कर चुके हैं।

बात दें कि देश में कई इलाकों में इस संकट की घड़ी में भी एलपीजी और पेट्रोल-डीजल की कालाबाजारी हो रही है। जबकि, केंद्र ने बार-बार कहा है कि घबराहट में जमाखोरी न करें और न ही इस लेकर किसी तरह की अफवाह फैलाएं। मोदी सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में पेट्रोल-डीजल और गैस की कोई कमी नहीं है।

बंगाल में न्यायिक जांच 32 लाख मामले निपटाए, 13 लाख नाम और हटाए

-अब तक 76 लाख वोटर्स के नाम कटे, चुनाव आयोग ने दिया नया आंकड़ा

नई दिल्ली, । पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारी ने कोलकाता में बताया कि अब तक कुल 76 लाख से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। पहले एसआईआर यानी मतदाता सूची जांच के दौरान 58 लाख नाम हटाए गए। इससे राज्य के कुल वोटर 7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ रह गए। अब जो नाम अंडर एडजुडिकेशन यानी न्यायिक जांच में थे। उनमें से 32 लाख मामले निपटाए गए हैं। इनमें से 40 फीसदी यानी करीब 13 लाख नाम और हटाए जा रहे हैं। दोनों मिलाकर कुल 76 लाख के करीब नाम लिस्ट से हटाए जा चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभी भी 28 लाख मामले बाकी हैं। राज्य में 705 न्यायिक अधिकारी इन मामलों को निपटाने में लगे हैं। चुनाव आयोग ने सोमवार को पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी की थी, जिसमें 10 लाख नाम अपलोड किए गए, लेकिन आयोग ने यह नहीं बताया कि इनमें से कितने हटाए गए जिस पर कई लोगों ने नाराजगी जताई। अगली लिस्ट हर शुक्रवार को जारी होगी। 29 लाख मामले हटाए गए थे लेकिन उनमें से सिर्फ एक तिहाई ही पहली लिस्ट में आ सके।

शेयर बाजार राम नवमी के मौके पर बंद

मुंबई। शेयर बाजार 26 मार्च को राम नवमी के मौके पर बंद रहेंगे। राम नवमी के मौके पर देश के दोनों प्रमुख एक्सचेंज एनएसई और बीएसई में कारोबार नहीं होगा। भारत की सबसे बड़ी कमोडिटी एक्सचेंज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया भी श्री राम नवमी के कारण सुबह के पहले सत्र में बंद रहेगी। सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक कोई ट्रेडिंग नहीं होगी। हालांकि, निवेशकों के लिए अच्छी बात यह है कि शाम के सत्र में एमसीएक्स पर ट्रेडिंग फिर से शुरू होगी, जो 5 बजे से रात 11ः30 बजे तक चलेगी।

देशभर में पेट्रोल-डीजल की मांग में अचानक उछाल

मुंबई। देशभर के पेट्रोल पंपों पर हाल के दिनों में भीड़ बढ़ने लगी है, क्योंकि पेट्रोल और डीजल की मांग में अचानक तेज़ी देखी गई है। सरकारी तेल कंपनी ?हिंदुस्तान पेट्रो?लियम कारपोरेशन ?लिमिटेड (एचपीसीएल) के अनुसार, पिछले दो दिनों में ईंधन की बिक्री में 15 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है, जबकि कुछ क्षेत्रों में यह बढ़ोतरी 50 फीसदी तक पहुंच गई है। एचपीसीएल ने साफ किया है कि यह उछाल मुख्य रूप से अचानक हुई खरीदारी और अफवाहों के कारण है, न कि किसी वास्तविक कमी की वजह से।

सोने के भाव में तेजी, चांदी भी हुई महंगी

नई दिल्ली। कमोडिटी बाजार में कीमती धातुओं ने जोरदार तेजी दिखाई है, जिससे निवेशकों का रुझान एक बार फिर सोना और चांदी की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों धातुओं के दाम में मजबूत बढ़त दर्ज की गई है। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 1,44,100 रुपये तक पहुंच गई है, जिसमें 5,188 रुपये की तेजी देखी गई। इसी तरह चांदी ने भी शानदार प्रदर्शन किया है और इसकी कीमत 2,34,700 रुपये पर पहुंच गई है, जो 10,759 रुपये की बढ़त को दर्शाती है। बाजार जानकारों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता, डॉलर में उतार-चढ़ाव और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के चलते सोना और चांदी दोनों में खरीदारी बढ़ी है।

बांग्लादेश 56वें स्वतंत्रता दिवस पर आर्थिक और राजनीतिक दबाव में

नई दिल्ली। बांग्लादेश 26 मार्च को अपना 56वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, लेकिन देश के सामने आर्थिक चुनौतियां भी हैं। वित्त वर्ष 2016 से 2019 तक देश की जीडीपी में 7 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई थी। कोविड-19 महामारी के दौरान यह विकास दर गिर गई और अर्थव्यवस्था डगमगा गई। महामारी के बाद सुधार हुआ, लेकिन वित्त वर्ष 2022 के बाद विकास दर लगातार घटती रही और वित्त वर्ष 2025 में यह केवल 3.5 फीसदी पर आ गई।

भारत में माइक्रो ड्रामा बाजार 2030 तक 4.5 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

- छोटे वर्टिकल वीडियो फॉर्मेट की बढ़ती लोकप्रियता, ओटीटी प्लेटफॉर्म को दे रही कड़ी चुनौती

नई दिल्ली। भारत का माइक्रो ड्रामा बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है और आने वाले वर्षों में यह मनोरंजन का एक प्रमुख माध्यम बन सकता है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 30 सेकंड से 3 मिनट की अवधि वाले इन छोटे, वर्टिकल वीडियो का बाजार 2030 तक 4.5 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है, जबकि वर्तमान में इसका आकार लगभग 30 करोड़ डॉलर है। माइक्रो ड्रामा प्लेटफॉर्म मोबाइल उपयोगकर्ताओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इनके मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता लगभग 10 करोड़ हैं, जबकि ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म के 45 करोड़ उपयोगकर्ता हैं। डाउनलोड के मामले में भी माइक्रो ड्रामा प्लेटफॉर्म 45 करोड़ तक पहुंच चुके हैं, जो ओटीटी के 68 करोड़ डाउनलोड के मुकाबले मजबूत उपस्थिति दर्शाता है। हालांकि, कमाई के मोर्चे पर ओटीटी प्लेटफॉर्म अभी आगे हैं। माइक्रो ड्रामा में 1.7 करोड़ भुगतान करने वाले उपयोगकर्ता हैं, जिनसे प्रति उपयोगकर्ता औसत आय 15 डॉलर है। इसके विपरीत ओटीटी के 13.3 करोड़ भुगतान करने वाले उपयोगकर्ता हैं और उनका औसत राजस्व 35 डॉलर है। विशेषज्ञों का मानना है कि माइक्रो ड्रामा की सफलता कंटेंट की गुणवत्ता, तेज उत्पादन, वितरण और दर्शकों तक पहुंचने की क्षमता पर निर्भर करेगी।रिपोर्ट यह भी संकेत देती है कि डिजिटल मनोरंजन के क्षेत्र में उपयोगकर्ता तेजी से नए विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे माइक्रो ड्रामा भविष्य में एक प्रभावशाली और प्रतिस्पर्धी फॉर्मेट बन सकता है।

राम नवमी पर देशभर में अलग-अलग दिनों पर बैंक में रहेगा अवकाश

नई दिल्ली। राम नवमी के पावन अवसर पर देशभर में धार्मिक उत्साह का माहौल है। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाने वाला यह पर्व हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है। हिंदू पंचांग के अनुसार यह चैत मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को आता है, जो इस वर्ष 26 मार्च गुरुवार को पड़ रही है। हालांकि तिथि के अंतर के कारण कई स्थानों पर 27 मार्च को भी धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर बैंक और सरकारी कार्यालयों में अवकाश को लेकर लोगों के बीच काफी उत्सुकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अवकाश कैलेंडर के अनुसार यह छुट्टी पूरे देश में एक समान नहीं होती, बल्कि राज्यों के आधार पर अलग-अलग दिन लागू होती है। 26 मार्च को गुजरात, मिजोरम, महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तराखंड, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड और हिमाचल प्रदेश में बैंक बंद रहेंगे।

पीएनजी नेटवर्क वाले इलाकों में नहीं मिलेगा एलपीजी सिलेंडर

- सरकार एलपीजी संकट से निपटने के लिए पीएनजी को दे रही बढ़ावा

नई दिल्ली । सरकार ने आदेश जारी कर कहा है कि जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस (पीएनजी) उपलब्ध है, वहां के घरों को पीएनजी कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। यदि कोई उपभोक्ता तीन महीने के भीतर पीएनजी के लिए आवेदन नहीं करता है, तो उस पते पर एलपीजी सिलिंडर की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। यह नियम केवल उन घरों पर लागू होगा, जहां पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है या बिछाई जा रही है। तकनीकी अड़चन वाले मामलों में अनापत्ति प्रमाण पत्र देना आवश्यक होगा।

सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों को पीएनजी नेटवर्क से जोड़ना है, ताकि पश्चिम एशिया संकट के चलते एलपीजी की आपूर्ति पर दबाव कम हो। पीएनजी को घरेलू उपयोग के लिए सुविधाजनक और स्थिर ईंधन विकल्प के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जारी आदेश में पाइपलाइन बिछाने और विस्तार के लिए समयबद्ध रूपरेखा दी गई है, जिससे मंजूरी और भूमि तक पहुंच में देरी जैसी अड़चनों को कम किया जा सके। देशभर में अब तक 307 भौगोलिक क्षेत्रों में सीजीडी नेटवर्क विस्तार की मंजूरी दी गई है। 110 क्षेत्रों में 9,046 पीएनजी कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। इसका उद्देश्य एलपीजी पर निर्भरता घटाना और ईंधन आपूर्ति को स्थिर रखना है। सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी का कुल 50 फीसदी आवंटन सुनिश्चित किया है। सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और पेट्रोल व डीजल की कोई कमी नहीं है। देशभर के पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। मुंद्रा पोर्ट ने निर्यातकों के लिए 15 दिन तक मुफ्त भंडारण, रेफर प्लग-इन शुल्क में 80 फीसदी छूट और लिफ्ट-ऑन/लिफ्ट-ऑफ व परिवहन शुल्क माफ करने जैसी सुविधाएं शुरू की हैं।

इससे पश्चिम एशिया संकट के दौरान निर्यातकों को राहत मिलेगी। इस निर्णय से घरेलू ईंधन आपूर्ति स्थिर होगी और पीएनजी का उपयोग बढ़ाकर एलपीजी पर दबाव कम किया जा सकेगा।

ओडिशा और कर्नाटक में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का तेजी से विस्तार

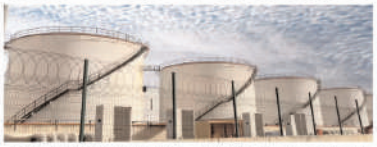

- चंद्रिखोल में 400 एकड़ भूमि मंजूर, 363.3 एकड़ के लिए आईएसपीआरएल को मांग पत्र मिल चुका

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने संसद को जानकारी दी है कि ओडिशा और कर्नाटक में भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआर) की विस्तार परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। ओडिशा के चंदिखोल में 400 एकड़ भूमि मंजूर हो चुकी है, जिसमें से 363.3 एकड़ के लिए इंडिया स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड (आईएसपीआरएल) को मांग पत्र मिल चुका है। शेष 36.7 एकड़ के लिए जल्द मांग पत्र जारी होने की उम्मीद है। कर्नाटक के पाडुर में भूमि अधिग्रहण का काम लगभग पूरा हो चुका है। देश में पहले से ही आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम और कर्नाटक के मंगलूर और पाडुर में कुल 53.3 लाख टन क्षमता वाले एसपीआर मौजूद हैं। ये भंडार आपूर्ति संकट के समय बफर के रूप में काम करते हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि देश की वर्तमान कुल राष्ट्रीय भंडारण क्षमता 74 दिन की है, जिसमें तेल विपणन कंपनियों की 64.5 दिनों की क्षमता शामिल है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार सदस्य देशों को पिछले वर्ष के शुद्ध आयात के बराबर 90 दिनों का तेल भंडार बनाए रखना होता है। सरकार ने जुलाई 2021 में ओडिशा (चंदिखोल) और कर्नाटक (पाडुर) में 65 लाख टन क्षमता वाली दो नई वाणिज्यिक-सह-रणनीतिक भंडार सुविधाओं को पीपीपी मॉडल के तहत मंजूरी दी थी। परियोजना की कुल लागत 14,527 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है, जिसमें 60 प्रतिशत तक वित्तपोषण का व्यवहार्यता अंतर शामिल है। पश्चिम एशिया में संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा संकट को देखते हुए सरकार पूरे देश में पर्याप्त स्टाक स्थापित करने पर जोर दे रही है।

फेसलिफ्टेड स्कॉर्पियो-एन के जल्द लांचिंग के संकेत

नई दिल्ली। जल्द ही भारतीय ऑटो बाजार में अपकमिंग मॉडलों में पावरफुल इंजन, एडवांस टेक्नोलॉजी और बेहतर डिजाइन का कॉम्बिनेशन देखने को मिलेगा। इस लिस्ट में महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन फेसलिफ्ट, टोयोटा फॉर्च्यूनर का नया जेनरेशन और टोयोटा हाइलक्स का 9वां जेनरेशन प्रमुख हैं। फेसलिफ्टेड स्कॉर्पियो-एन को हाल ही में टेस्टिंग के दौरान देखा गया है, जिससे इसके जल्द लॉन्च होने के संकेत मिलते हैं।

नए मॉडल में फ्रंट ग्रिल, एलईडी हेडलाइट्स और बंपर में बदलाव के साथ इंटीरियर में बड़ा टचस्क्रीन, पैनोरमिक सनरूफ और लेवल-2 अडास जैसे फीचर्स मिल सकते हैं।

हालांकि, इसके इंजन विकल्प में बदलाव की संभावना कम है। वहीं 9th जेनरेशन हाइलक्स में नया और आक्रामक 'साइबरसुमो' डिजाइन, बेहतर केबिन और डिजिटल फीचर्स देखने को मिलेंगे। इसमें 2.8 लीटर टर्बो डीजल इंजन मिलने की उम्मीद है, जो इसे पावरफुल बनाता है। टोयोटा फॉर्च्यूनर का नया जेनरेशन भी अपग्रेडेड प्लेटफॉर्म पर आएगा, जिसमें नए डिजाइन, बड़ी टचस्क्रीन और एडवांस टेक्नोलॉजी के साथ पेट्रोल और डीजल इंजन ऑप्शन दिए जाएंगे। इसके अलावा जेटूर टी 2 पर आधारित एक नई एसयूवी को जेएसडब्ल्यू भारत में लॉन्च कर सकती है, जिसे फॉर्च्यूनर के मुकाबले में उतारा जाएगा। वहीं महिंद्रा स्कॉर्पियो क्लासिक का फेसलिफ्ट वर्जन भी आने की उम्मीद है, जिसमें केबिन और फीचर्स में सुधार किया जाएगा। कुल मिलाकर, आने वाले समय में भारतीय एसयूवी सेगमेंट में जबरदस्त हलचल देखने को मिलेगी, जहां ग्राहकों को ज्यादा पावर, बेहतर टेक्नोलॉजी और मजबूत ऑफरोडिंग क्षमता वाले कई नए विकल्प मिलेंगे। मालूम हो कि भारतीय ऑटो बाजार में जल्द ही कई नई और अपडेटेड एसयूवी लॉन्च होने वाली हैं, जो खासतौर पर ऑफरोडिंग पसंद करने वाले ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही हैं।

टर्बो पेट्रोल इंजन वाली एसयूवी की मांग बढ रही तेजी से

नई दिल्ली। टर्बो पेट्रोल इंजन वाली 7 से 15 लाख रुपये के बजट वाली एसयूवी की मांग तेजी से बढ़ रही है। इस सेगमेंट में टाटा मोटर्स, किआ और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियों के साथ रिनॉल्ट भी अपने नए मॉडल्स के जरिए प्रतिस्पर्धा को और तेज कर रही है। इस रेंज में स्कोड कायलाक एक किफायती और पावरफुल विकल्प के तौर पर उभर रही है। एमक्यूबी एओ इन प्लेटफॉर्म पर बनी इस एसयूवी में 1.0 लीटर टीएसआई टर्बो पेट्रोल इंजन मिलता है, जो करीब 118एचपी की पावर और 178एनएम का टॉर्क देता है। इसके साथ मैन्युअल और ऑटोमैटिक दोनों ट्रांसमिशन विकल्प मिलते हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी यह मजबूत है और इसे 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिल चुकी है। इसकी कीमत लगभग 7.59 लाख से 12.99 लाख रुपये के बीच है। वहीं किआ सोनेट अपने फीचर्स और परफॉर्मेंस के संतुलन के कारण ग्राहकों के बीच लोकप्रिय बनी हुई है। इसमें 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो लगभग 118एचपी की पावर और 172एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। आईएमटी और डीसीटी जैसे एडवांस ट्रांसमिशन विकल्प इसे और खास बनाते हैं। इसकी कीमत भी 15 लाख रुपये से कम है, जिससे यह बजट सेगमेंट में एक मजबूत विकल्प बनती है। इसके अलावा रिनॉल्ट डस्टर की वापसी भी चर्चा में है। नए अवतार में आने वाली यह एसयूवी टर्बो पेट्रोल इंजन और आधुनिक फीचर्स के साथ बाजार में उतर सकती है, जिससे इसे फिर से ड्राइविंग के शौकीनों के बीच लोकप्रियता मिलने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, अगर आप बजट में एक पावरफुल और मजेदार एसयूवी की तलाश में हैं, तो टर्बो पेट्रोल इंजन वाले ये विकल्प परफॉर्मेंस, फीचर्स और कीमत के लिहाज से बेहतरीन संतुलन प्रदान करते हैं। टर्बो पेट्रोल इंजन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि कम इंजन क्षमता के बावजूद यह ज्यादा पावर और बेहतर टॉर्क देता है,।

पांच नई कारों और एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में होंडा

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में ऑटोमोबाइल कंपनी होंडा मोटर अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को मजबूत करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। बढ़ते कॉम्पिटिशन को देखते हुए अब कंपनी पांच नई कारों और एसयूवी को लॉन्च करने की तैयारी में है। इनमें इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियां शामिल हैं, जो अलग-अलग ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर पेश की जाएंगी। कंपनी की सबसे अहम लॉन्च में होंडा ओ अल्फा ईवी शामिल है, जो भारत में तैयार होने वाला पहला इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल होगा।

इसे फ्यूचरिस्टिक डिजाइन, बॉक्सी स्टाइल और एडवांस फीचर्स के साथ पेश किया जाएगा। इसमें 65केडब्ल्यूएच और 75केडब्ल्यूएच के बैटरी ऑप्शन मिल सकते हैं, जो लगभग 450 से 500 किलोमीटर की रेंज देने में सक्षम होंगे। इसकी लॉन्चिंग अगले साल संभावित है और यह 20 से 25 लाख रुपये के प्राइस रेंज में आ सकती है। इसके अलावा कंपनी होंडा झेडआर वी को भी भारत में लॉन्च करने की योजना बना रही है, जो एक प्रीमियम हाइब्रिड एसयूवी होगी। इसमें 2.0 लीटर का पावरफुल हाइब्रिड इंजन और ऑल-वील ड्राइव का विकल्प मिलेगा। इसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपये से शुरू हो सकती है और इसे 2026 के आसपास पेश किया जा सकता है। होंडा अपनी टू-डोर कूपे होंडा प्रीलूड को भी भारत में लाने की तैयारी कर रही है, जिसमें स्पोर्टी डिजाइन और करीब 200 बीएचपी का इंजन मिलेगा। वहीं होंडा सिटी का फेसलिफ्ट और हाइब्रिड वर्जन भी जल्द अपडेट होकर आएगा, जिसमें नया डिजाइन और बेहतर फीचर्स मिलेंगे।

अमेरिका-ईरान तनाव से युचुअल फंड एनएफओएस पर ब्रेक

- फंड कंपनियों ने 15 मार्च के बाद सिर्फ तीन योजनाओं के लिए दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने भारतीय म्युचुअल फंड इंडस्ट्री को भी प्रभावित किया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मार्च में लगभग दो दर्जन नई योजनाओं को मंजूरी दी है, लेकिन अब तक केवल 9 नई इक्विटी योजनाएं (एनएफओएस) ही लॉन्च हुई हैं। फंड कंपनियों ने 15 मार्च के बाद सिर्फ तीन योजनाओं के लिए दस्तावेज जमा किए, जबकि पहले दो हफ्तों में 19 योजनाओं के लिए फाइलिंग हुई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि मार्च आम तौर पर वित्त वर्ष के अंत का महीना होने के कारण एनएफओएस की संख्या कम रहती है, लेकिन इस साल भू-राजनीतिक अनिश्चितता ने स्थिति और जटिल बना दी है। म्युचुअल फंड इंडस्ट्री के वरिष्ठ प्रतिनिधि का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, बढ़ती मुद्रास्फीति और ब्याज दरों की चिंताओं के कारण निवेशक नई योजनाओं में तुरंत निवेश नहीं कर रहे हैं। फंड कंपनियां इस समय नए एनएफओ लॉन्च करने में हिचकिचा रही हैं और बाजार स्थिर होने का इंतजार कर रही हैं। अमेरिका-ईरान संघर्ष का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ा है। मार्च में निफ्टी-50 लगभग 9 फीसदी गिर चुका है। पिछले 18 महीनों में बाजार पहले ही भारी बिकवाली का सामना कर चुका है। भू-राजनीतिक तनाव और तेल की कीमतों में तेजी से निवेशकों का विश्वास कमजोर हुआ है, जिससे व्यापक स्तर पर बिकवाली शुरू हो गई है। म्युचुअल फंड कंपनियां और निवेशक दोनों ही अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू बाजार दबाव को देखते हुए सतर्क हैं। मार्च में एनएफओएस की धीमी रफ्तार और शेयर बाजार में गिरावट संकेत देती है।

होटल और रेस्तरां में एलपीजी और ईंधन चार्ज वसूली पर सीसीपीए सख्त

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने होटल और रेस्तरां संचालकों को चेतावनी दी है कि वे ग्राहकों से एलपीजी, गैस, ईंधन या अन्य परिचालन खर्चों के नाम पर अतिरिक्त शुल्क बिल में न जोड़ें। प्राधिकरण ने यह कदम उपभोक्ताओं से मिली लगातार शिकायतों और मीडिया रिपोर्ट्स के बाद उठाया है। सीसीपीए ने कहा कि मेन्यू में दर्ज कीमत ही अंतिम कीमत होनी चाहिए और इसके अलावा केवल लागू टैक्स ही बिल में अलग जोड़ा जा सकता है। सीसीपीए ने स्पष्ट किया कि एलपीजी, बिजली, गैस और अन्य परिचालन लागत व्यवसाय का हिस्सा हैं और इन्हें मेन्यू कीमत में शामिल करना ही सही तरीका है। इन खर्चों को अलग से वसूलना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(47) के तहत अनुचित व्यापार व्यवहार माना जाएगा। इससे न केवल पारदर्शिता खत्म होती है बल्कि ग्राहकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ भी पड़ता है। सीसीपीए ने कहा कि कोई भी होटल या रेस्तरां ग्राहकों को किसी भी अतिरिक्त शुल्क के लिए मजबूर नहीं कर सकता। सभी शुल्क स्वैच्छिक होने चाहिए। अगर कोई रेस्तरां या होटल इन नियमों का उल्लंघन करता है, तो प्राधिकरण उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई करेगा। सीसीपीए ने यह भी स्पष्ट किया कि चाहे इन शुल्कों को किसी भी नाम से बुलाया जाए, यह सर्विस चार्ज या अतिरिक्त फीस की श्रेणी में आते हैं। बिल में डिफॉल्ट रूप से शुल्क जोड़ना 4 जुलाई, 2022 के जारी सीसीपीए दिशानिर्देशों का उल्लंघन है।

सुनील मित्तल एयरटेल अफ्रीका के चेयरमैन पद से होंगे रिटायर

- नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में गोपाल विट्टल को किया गया नियुक्त

नई दिल्ली। भारत की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल की अफ्रीकी शाखा एयरटेल अफ्रीका में बड़ा नेतृत्व बदलाव होने जा रहा है। कंपनी के निदेशक मंडल ने कहा कि संस्थापक सुनील भारती मित्तल जुलाई में वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद एयरटेल अफ्रीका के चेयरमैन पद से रिटायर होंगे।

यह कदम कंपनी की उत्तराधिकार योजना का हिस्सा है और इसके जरिए नेतृत्व में निरंतरता सुनिश्चित की जाएगी। नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में गोपाल विट्टल को नियुक्त किया गया है। वहीं श्राविन भारती मित्तल, सुनील मित्तल के बेटे, डिप्टी चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालेंगे। कंपनी ने कहा कि श्राविन मित्तल संस्थापक परिवार और अहम शेयरधारकों के बीच संपर्क का काम करेंगे और एयरटेल मनी बोर्ड तथा मुख्यालय, दुबई, के साथ बोर्ड संबंधों को बनाए रखेंगे। एयरटेल अफ्रीका की गैर-कार्यकारी निदेशक एनिका पौटियानेन भी जुलाई एजीएम के साथ सेवानिवृत्त होंगी। सुनील मित्तल ने उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने ऑडिट और जोखिम समिति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बोर्ड की स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद की। सुनील मित्तल ने कहा कि एयरटेल अफ्रीका के पास मजबूत रणनीति और उत्कृष्ट नेतृत्व टीम है। उन्होंने कहा, ॔यह मेरे लिए सम्मान की बात रही कि मैं कंपनी का नेतृत्व कर सका। अब समय आ गया है कि मैं चेयरमैन पद से हटूं, लेकिन जरूरत पड़ने पर कंपनी का समर्थन करता रहूंगा।

सीधी, सिंगरौली प्रभा

शुक्रवार, 27 मार्च 2026

उप मुख्यमंत्री ने किये मां शारदा देवी के दर्शन

मैहर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने गुरुवार को मैहर जिले के प्रवास के दौरान मां शारदा देवी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेश वासियों की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। इस मौके पर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वृद्धाश्रम के बुजुर्गों को कराए गए मां शारदा देवी के दर्शन

मैहर नवरात्रि अष्टमी के पावन अवसर पर मैहर कलेक्टर रानी बाटड के निर्देशानुसार एक सराहनीय पहल की गई। इस दौरान वृद्धाश्रम में निवासरत बुजुर्गजनों को मातारानी के दर्शन कराए गए। कार्यक्रम के तहत सभी वृद्धजनों को विधि-विधान से माता के दर्शन कराए गए तथा उन्हें चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रसाद भी वितरित किया गया। इस भावपूर्ण आयोजन से बुजुर्गों के चेहरे पर खुशी और संतोष की झलक साफदिखाई दी।

संबल योजना के तहत हितग्राहियों को मिली आर्थिक सहायता

सतना मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल 2.0) योजना के अंतर्गत गुरुवार जिले में हितग्राहियों को अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया गया। कार्यक्रम के तहत जिले के 131 हितग्राहियों को 3 करोड़ 2 लाख रूपये की आर्थिक सहायता उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से अंतरित की गई। एनआईसी केन्द्र सतना में आयोजित कार्यक्रम में सहायक श्रमायुक्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा जनपद सोहावल, नगर पालिक निगम के हितग्राही उपस्थित रहे।

कल कुसमी में लगेगा वृहद विधिक साक्षरता शिविर

सीधी म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में 28 मार्च 2026 को तहसील कुसमी में एक दिवसीय वृहद मेगा लीगल आउटरीच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन को विधिक सेवा प्राधिकरण की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है।

मैहर में भांग दुकानों के लाइसेंस हेतु टेंडर प्रक्रिया की नीलामी आज

मैहर मैहर जिले में वर्ष 2026-27 के लिए भांग की फुटकर दुकानों के लाइसेंस निपटान की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत इच्छुक व्यक्तियों से टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। यह लाइसेंस अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक प्रभावी रहेगी। जिले की दो प्रमुख दुकानें मैहर और अमरपाटन के लिए लाइसेंस जारी किए जाएंगे। इनका कुल आरक्षित मूल्य 25 लाख 16 हजार 489 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि 10 प्रतिशत अमानत राशि 2 लाख 51 हजार 649 रुपये तय की गई है।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन कलेक्ट्रेट भवन का किया निरीक्षण

सीधी कलेक्टर विकास मिश्रा ने निर्माणाधीन कलेक्ट्रेट भवन का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए तथा सुव्यवस्थित कार्ययोजना बनाकर निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण किया जाए।कलेक्टर ने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए और नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से प्रगति सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही कलेक्टर श्री मिश्रा ने जी-टाइप एवं एच-टाइप शासकीय आवासों के निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।

अत्याचार पीड़ितों को 1 करोड 54 लाख रूपये से अधिक की सहायता स्वीकृत

जिला सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति की बैठक संपन्न

सतना अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत जिले में वित्तीय वर्ष 2025-26 (अप्रैल 2025 से मार्च 2026) में 270 प्रकरणों में अब तक 1 करोड 54 लाख 42 हजार रूपये की सहायता स्वीकृत की गई है। इस आशय की जानकारी अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी विकास सिंह की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न जिला सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक में दी गई। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवेश सिंह बघेल, जिला संयोजक डॉ. अरूण शुक्ला, समिति के सदस्य मुरानी सोनी, अभिनव त्रिपाठी, रामकलेश साकेत, कुलदीप सिंह, सहायक उप निरीक्षक मकरध्वज पाण्डेय, एडीपीओ हुकुमचन्द्र निरंजन, बृजेश अहिरवार उपस्थित थे।

जिला सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक में बताया गया कि अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक जिले में अत्याचार पीड़ितों के 270 प्रकरणों में अब तक 1 करोड 54 लाख 42 हजार रूपये की आर्थिक सहायता हितग्राहियों को स्वीकृत की गई है। जिसमें अनुसूचित जाति के 270 कुल पीडितों में 115 पीड़ितों को 91 लाख 42 हजार 500 रूपये और अनुसूचित जनजाति के 93 कुल पीडितों में से 22 पीडितों 16 लाख 25 हजार रूपये की राशि का भुगतान किया गया है।

इसके अलावा वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जाति के 155 प्रकरण में 1 करोड 54 लाख 42 हजार रूपये एवं अनुसूचित जनजाति के 71 प्रकरण में 60 लाख 75 हजार रूपये का भुगतान आवंटन के अभाव में लंबित है। बैठक में बताया गया कि अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के अंतर्गत जनवरी 2025 से मार्च 2026 की स्थिति में अनुसूचित जाति वर्ग के 195 एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग की 44 शिकायतें प्राप्त हुई है।

जिसमें अनुसूचित जाति वर्ग के 71 मामले और अनुसूचित जनजाति के 9 मामले लंबित है। अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रकरणों के डिस्पोजल में अधिक प्रयास करने की जरुरत है। प्रकरणों का तीव्र गति एवं व्यक्तिगत रुचि लेकर निराकरण करने का प्रयास करें।

अपर कलेक्टर ने कहा कि अत्याचार निवारण अधिनियम के स्वीकृत प्रकरणों में लंबित भुगतान के लिए बजट आवंटन हेतु शासन को प्रस्ताव भेजें।

गैस की कालाबाजारी तथा जमाखोरी करने वाले के विरूद्ध करे कठोर कार्यवाही :.श्री बैनल

कलेक्टर ने आम जनता से पैनिक बुकिंग नही करने की अपील

कलेक्टर की अध्यक्षता में गैस एजेंसी संचालको की बैठक आयोजित

ई केवायसी एवं वितरण के अलग अलग काउंटर बनाकर सुगमता से किया जाये एलपीजी का वितरणः.कलेक्टर

सिंगरौली कलेक्टर गौरव बैनल के अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के सभी गैस एजेंसी संचालको की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी एजेंसी संचालक अपने अपने एजेंसियो में ई केवायसी तथा एलपीजी वितरण के अलग अलग काउंटर बनाकर सुगमता के साथ ग्राहको को एलपीजी का वितरण सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने उपस्थित संचालको से प्रति दिवस होने वाली एलपीजी बुकिंग एवं वितरण व्यवस्था तथा स्टाक की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिए कि ऐसे उपभोक्ता जिनकी पहले बुकिंग हो गई है। डिलेवरी की निर्धारित तिथि को प्राथमिकता देते हुयें उपभोक्ता को गैस सिलेन्डर की डिलेवरी करे। तथा यह सुनिश्चित करे कि बुकिंग के आधार पर डिलेवरी किया जायें वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नही की जायेंगी।कलेक्टर ने बैठक में ही राजस्व अमले एवं जिला अपूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए कि एलपीजी वितरण की प्रति दिवस मानीटरिंग कर जानकारी उपलब्ध करायें। कलेक्टर ने गैस एजेंसी संचालको को निर्देश दिए कि अपने निचले स्तर के कर्मचारी जो वितरण व्यवस्था में सलग्न है उन्हे भी अवगत करायें कि एलपीजी की कालाबाजारी न करे ना ही ऐसे व्यक्तियो से संबंध रखे जिनके द्वारा कालाबाजारी करने की संभावना हो। बल्कि उनके विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु तत्काल संबंधित अधिकारियों को अवगत करायें।

प्रभु श्रीराम के आदर्श समाज के लिए मार्गदर्शक : उप मुख्यमंत्री

प्रदेशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएँ दीं

सतना उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रामनवमी के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, मर्यादा, त्याग और आदर्शों का अनुपम उदाहरण है, जो हमें धर्म, कर्तव्यनिष्ठा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम के आदर्श समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कामना की कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए तथा प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे।

नि :शुल्क भोजन कराने पर माई की रसोई हुई सम्मानित

मैहर। सेवा समर्पण और समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली माई की रसोई की संचालिका श्रीमती मीना धीरज पांडेय को उनके उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें नवपरिवर्तन प्रकाश फाउंडेशन द्वारा कटनी में आयोजित भव्य कार्यक्रम शौर्य प्रदर्शन 2026 के दौरान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में नारी शक्ति सम्मान, सुरक्षा और स्वाभिमान का संदेश प्रमुख रूप से दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजराघवगढ़ विधायक संजय पाठक रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को मंच प्रदान करना और उनके योगदान को सम्मानित कर अन्य महिलाओं को प्रेरित करना था। श्रीमती मीना धीरज पांडेय पिछले कई वर्षों से माई की रसोई के माध्यम से जरूरतमंदों गरीबों और मरीजों के परिजनों को निःशुल्क भोजन कराकर मानवता की सेवा कर रही हैं।

कक्षा 5वीं-8वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित, सीधी जिले का शानदार प्रदर्शन

कक्षा 5वीं में सीधी जिला प्रदेश में 10वें स्थान पर तथा कक्षा 8वीं में 14वें स्थान पर

सीधी राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल में शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में कक्षा 5वीं एवं 8वीं की वार्षिक बोर्ड परीक्षा का परिणाम बुधवार को घोषित किया गया, जिसमें सीधी जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश स्तर पर उल्लेखनीय स्थान हासिल किया है। कक्षा 5वीं में सीधी जिला प्रदेश में 10वें स्थान पर तथा कक्षा 8वीं में 14वें स्थान पर रहा, जबकि समग्र प्रदर्शन के आधार पर जिले ने रीवा संभाग में प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरव बढ़ाया है।

जिला परियोजना समन्वयक विनय मिश्रा ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा शिक्षा व्यवस्था में सतत मॉनिटरिंग, गुणवत्ता सुधार के प्रयास एवं समन्वित कार्यप्रणाली के चलते यह सकारात्मक परिणाम सामने आया है। बेहतर परीक्षा परिणाम पर जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक ने विभागीय अमलेकृएपीसी, बीआरसीसी, बीएससी, सीएसी सहित सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए इसे विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और जिले में शिक्षा के प्रति बने सकारात्मक माहौल का परिणाम बताया है। विकासखंडवार परिणामों पर नजर डालें तो कक्षा 8वीं में कुसमी 98.48 प्रतिशत, मझौली 95.80 प्रतिशत, रामपुर नैकिन 97.15 प्रतिशत, सीधी 97.39 प्रतिशत एवं सिहावल 95.66 प्रतिशत रहा।

वहीं कक्षा 5वीं में कुसमी 99.57 प्रतिशत, मझौली 98.27 प्रतिशत, रामपुर नैकिन 97.87 प्रतिशत, सीधी 98.93 प्रतिशत एवं सिहावल 97.25 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया गया।

मड़वास बफर क्षेत्र में तेंदुए की मृत्यु, एनटीसीए दिशा-निर्देशों के तहत जांच जारी

सीधी उप संचालक संजय टाइगर रिजर्व ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 26 मार्च 2026 की प्रातः गश्ती दल को कक्ष क्रमांक पी-1392, पश्चिम मड़वास बीट, वन परिक्षेत्र मड़वास (बफर क्षेत्र) में एक नर तेंदुए का शव मिला।

घटना की सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक, मध्यप्रदेश भोपाल से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार घटनास्थल को सुरक्षित कर डॉग स्क्वाड की सहायता से आसपास के क्षेत्र में सघन जांच की गई।

मृत तेंदुए का पोस्टमार्टम तीन विशेषज्ञ चिकित्सकों - डॉ. कैलाश तिवारी (एनटीसीए प्रतिनिधि), डॉ. अभय सेंगर (वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी, संजय टाइगर रिजर्व) एवं डॉ. प्रशांत सिंह सेंगर (विकासखंड चिकित्साधिकारी, कुसमी) - द्वारा किया गया। प्रथम दृष्टया तेंदुए की मृत्यु आपसी संघर्ष के कारण होना प्रतीत हो रही है। मृत तेंदुए की उम्र लगभग 3 से 4 वर्ष आंकी गई है तथा उसके शरीर के सभी अंग सुरक्षित पाए गए हैं।

पोस्टमार्टम उपरांत बिसरा सुरक्षित कर फोरेंसिक जांच हेतु भेजा जा रहा है।

निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों, एनटीसीए प्रतिनिधि एवं वन्यजीव विशेषज्ञों की उपस्थिति में शव का विधिवत दाह/भस्मीकरण किया गया। प्रकरण में आगे की जांच एवं आवश्यक कार्यवाही जारी है।

नहर में गिरी बोलेरो अधिकारियों की तत्परता से बड़ा हादसा टला

सीधी। जिले के रामपुर नैकिन थानांतर्गत बघवार क्षेत्र में बुधवार रात एक बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर बाणसागर नहर में जा गिरा। अधिकारियों की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया।

यह घटना रात करीब 8 बजे की बताई जा रही है। बोलेरो राम केवट निवासी बुढगौना का थाए जबकि उसे कृष्ण केवटए निवासी ग्राम मझिगवा चला रहा था। वही प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अचानक बोलेरो का संतुलन बिगडने से वह सीधे नहर में जा समाई। उस समय नहर में लगभग 20 फीट तक पानी भरा हुआ थाए जिससे बोलेरो पूरी तरह डूब गई और कुछ समय तक उसका कोई पता नहीं चल सका। हालांकि चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए किसी तरह तैरकर बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। उसे मामूली चोटें आईए जिसके बाद उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम और स्थानीय प्रशासन सक्रिय हो गया। इस पूरे मामले में एसडीएम वीके आनंद व तहसीलदार रामपुर नैकिन आशीष मिश्रा की भूमिका बेहद अहम रही। उन्होंने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तुरंत बाणसागर नहर का पानी बंद कराने के निर्देश दिए ताकि रेस्क्यू ऑपरेशन को सुरक्षित तरीके से अंजाम दिया जा सके।

खनिज विभाग की रात्रि कार्रवाई में तीन वाहन जब्त

सीधी कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा जिला खनिज अधिकारी के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सघन कार्रवाई की गई। प्रभारी खनि निरीक्षक शिशिर यादव एवं देवेंद्र महोबे के नेतृत्व में खनिज दल द्वारा 25 एवं 26 मार्च 2026 की रात्रि बहरी, गोपद बनास एवं मझौली तहसील के विभिन्न क्षेत्रों में जांच अभियान चलाया गया।

जांच के दौरान ग्राम पड़ी (तहसील गोपद बनास) से गांधीग्राम की ओर रेत लेकर जा रहे बिना नंबर के वाहन (चेसिस क्रमांक डाज्45531148झ29113) को रोका गया। चालक द्वारा भागने का प्रयास करने पर टीम ने पीछा कर गांधीग्राम में घेराबंदी करते हुए वाहन को नियमानुसार जब्त कर लिया।

इसी प्रकार भदौरा/गोतरा क्षेत्र में रेत उत्खनन की शिकायतों की जांच के दौरान दो अन्य वाहन - हाइवा क्रमांक डप्53अ8899 एवं एक बिना नंबर का वाहन (डाज्448236श्र॥01437) - को भी जब्त कर थाना कोतवाली में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है।

संबंधित वाहन चालकों एवं स्वामियों के विरुद्ध म.प्र. खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं, बिना नंबर वाहनों से खनिज परिवहन के मामले में मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई हेतु जिला परिवहन अधिकारी को पृथक से पत्र भेजा जाएगा। कलेक्टर के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा अवैध खनन पर सतत निगरानी रखी जा रही है तथा भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी, जिससे अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली द्वारा गोद ग्राम जोबा में जागरूकता संबंधी अभियान जारी

एनएसएस के स्वयंसेवकों ने जोबा रेलवे स्टेशन पर चलाया बृहद स्वच्छता अभियान

सीधी मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार एवं शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली की प्राचार्य डॉ. गीता भारती के मार्गदर्शन में गोद ग्राम जोबा में जागरूकता संबंधी अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना तथा लोगों में स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवन शैली की आदत विकसित करना है।

अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (छै) के स्वयंसेवकों द्वारा जोबा रेलवे स्टेशन परिसर में बृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान प्लेटफार्म एवं यात्री प्रतीक्षालय की साफ-सफाई कर स्टेशन को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संदेश दिया गया। प्राचार्य डॉ. गीता भारती ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है, जो उन्हें समाज के प्रति जिम्मेदार बनाता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास -स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत- के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।संध्याकालीन सत्र में भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय एवं ग्रामीण कलाकारों ने लोककलाओं के माध्यम से जन-जागरूकता का संदेश दिया। लोकगीत, देवी गीत एवं अन्य प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में डॉ. एस.आर. भारती, प्रो. सुनील सिंह, प्रो. बी.एल. सिंह आयाम, प्रो. रागिनी तिवारी, डॉ. संदीप कुमार शर्मा, डॉ. कोमल पांडे, पंकज सिंघल, गुलाब सिंह, मनीष कुमार सोनी, विद्यालय के प्राचार्य जगत प्रताप सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. असलेंद्र जायसवाल (कार्यक्रम अधिकारी, पुरुष इकाई) एवं डॉ. रेनू सिंह बघेल द्वारा किया गया।

यह पहल न केवल स्वच्छता का संदेश दे रही है, बल्कि समाज में जागरूकता और सहभागिता की मजबूत नींव भी रख रही है।

सोन नदी में रस्सियों में बधा तैरता मिला शव

हत्या कर शव को फेंकने की आशंका से सनसनी

सीधी। सीधी.पटपरा मार्ग में स्थित सोन नदी के गऊघाट में आज सुबह कपड़ा लगाकर रस्सियों में बंधा तैरता शव मिलने से हत्या की आशंका के चलते समूचे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद पानी में तैरते शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

जानकारी के अनुसार सोन नदी के गऊघाट में बीचोबीच पानी में आज सुबह करीब 9 बजे रस्सियों में बंधी शव को देवघटा निवासी अभिलाष साकेत ने देखा। आशंका होने पर अभिलाश ने पानी के अंदर उतरकर देखा तो कपड़े में लपेटकर शव को रस्सियों में बांधा गया था। ऊपर से बोरा भी लिपटा होने के कारण प्रथम दृष्टया ऐसी आशंका हुई कि हत्या के बाद संबंधित व्यक्ति को कपड़े में लपेटकर रस्सी बांधकर पानी में फेंका गया है।

अभिलाष ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाना शुरू की। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर जमा हो गए। पुल के ऊपर से जा रहे किसी राहगीर ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में पोस्ट कर दिया। जिसके बाद समूचे इलाके में दहशत और सनसनी फैल गई। इस घटना के सामने आने के बाद तरह.तरह की चर्चाएं हो रही हैं। इसे रंजिश या सुनियोजित साजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मामले का खुलासा होने की संभावना है।

कबिरा आप ठगाइये, और न ठगिये कोय। आप ठगे सुख होत है, और ठगे दुख होय?

- कबीर

संकट का समय, सरकार सच बताए समस्या का समाधान निकाले

भारत आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां सरकार के बड़े-बड़े दावे और ज़मीनी हकीकत के बीच का अंतर अब आम जनता को भी दिखाई देने लगा है। भारत 145 करोड़ की आबादी वाला देश हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी च्विश्व गुरुज्ज् होने की बात करते हैं। सवाल यह है, भारत सरकार की नीतियां और दावे विश्व गुरु के अनुरूप हैं? हाल मे अमेरिका इजरायल ने ईरान के ऊपर हमला किया है। उसके बाद वैश्विक हालात खासकर पश्चिम एशिया के देशों में बढ़ते तनाव ने भारत की कमजोरियों को सारी दुनिया के देशों और भारतीय जनता के बीच में उजागर कर दिया है। भारत की सबसे बड़ी चुनौती आयात पर निर्भरता है। कच्चा तेल, गैस, उर्वरक, यूरिया और डीएपी का बड़ा हिस्सा हमें विदेशों से आयात करना पड़ता है। जैसे-जैसे अंतर्राष्ट्रीय संकट बढ़ रहा है, उससे सभी आयातित सामान की सप्लाई प्रभावित हो रही है। विशेष रूप से कच्चा तेल, गैस और खाद की कमी देश में होती चली जा रही है। इनकी कीमतें बढ़ रही हैं। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत कम होने से पिछले कई महीनो से दाम बढ़ते चले जा रहे हैं। इसका सीधा असर आम जनता और किसानों पर पड़ रहा है। पिछले कई वर्षों से किसानों को खाद महंगी मिल रही है और उनकी मांग से कम उपलब्ध हो रही है। जिसके कारण किसान समय-समय पर प्रदर्शन करते देखे जाते हैं। इसके अलावा कृषि उत्पादन भी प्रभावित होता है। किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसी तरह अब गैस और पेट्रोल-डीजल की जो कमी देखने को मिल रही है इसका असर मजदूरों से लेकर हर वर्ग को पड़ रहा है। घरों में खाना बनाना मुश्किल हो गया है। इसके परिणाम स्वरूप महंगाई और आर्थिक असंतुलन बढ़ रहा है। जिससे करोड़ों नागरिक रोजाना परेशान हो रहे हैं।

सरकार का यह कहना कि च्सब कुछ सामान्य हैज। जनता के बीच विश्वास की कमी पैदा कर सकता है। आम जनता को लग रहा है कि सरकार हमसे कुछ छुपा रही है। झूठ बोल रही है। वास्तविकता कुछ और है, सरकार कुछ और बता रही है। इसका असर सरकार की विश्वसनीयता पर पड़ रहा है। जमीनी स्तर पर पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों में आम लोगों को परेशानी हो रही है। स्वाभाविक रूप से आम लोगों में डर और असमंजस की स्थिति बन गई है। उनकी मजदूरी रोजगार और खाना-पीना तक इस स्थिति में प्रभावित हो रहा है। ऐसे समय में सरकार की पारदर्शिता और वास्तविक स्थिति को देखते हुए यदि सरकार सच बोलती है तो लोगों को वैकल्पिक साधन खोजने और इस समस्या का समाधान निकालने के लिए वह मानसिक रूप से तैयार हो सकेगी। यही समस्या का सबसे बड़ा समाधान है। जनता को वास्तविक स्थिति से अवगत कराना सरकार की जिम्मेदारी है। आम जनता को संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित करना सरकार की जिम्मेदारी है। विदेश नीति को लेकर भी सरकार की आलोचना हो रही है। सवाल उठता है, क्या च्सबके साथ व्यापारिक दोस्तीज्ज् की नीति हमें मजबूत बना रही है, या कमजोर? कर रही है। च्विश्व गुरुज्ज् होने का दावा तब तक अधूरा है जब तक भारत का प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस ना हो। भारत ने कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है, संकट के समय अंतर्राष्ट्रीय मंच पर क्या हमारी बात सुनी जा रही है या हमारा महत्त्व है। दुनिया के देशों के साथ वास्तविक समर्थन और प्रभाव में जो अभाव वर्तमान में देखने को मिल रहा है, वह चिंता का विषय है। इस कठिन समय में सरकार को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर विदेशनीति में अपने पूर्व के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए ठोस कदम उठाने होंगे। वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों की खोज, घरेलू उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे। जनता के साथ ईमानदारी और सत्यता के साथ सरकार को संवाद करना होगा। वास्तविकता छिपाने और अपने आपको सर्वज्ञ होने की मानसिकता से बचना होगा। सरकार आश्वासन से नहीं, समस्याओं के समाधान और स्पष्ट रणनीति से ही देश को इस संकट से उबार सकती है। सरकार के लिए यह समय है वास्तविक स्थिति के सच को स्वीकार करने का, ना कि उससे बचने का। सत्ता पक्ष और विपक्ष को एक साथ आना होगा। तभी हम जो समस्याएं सामने आ रही हैं उन्हें निपटा पाएंगे। ईरान और अमेरिका के इस युद्ध में एक और सबसे बड़ा खतरा आर्थिक मंदी का है जो सारी दुनिया के देशों में होने जा रहा है। इसका असर भी भारत पर पड़ेगा। केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और स्थानीय संस्थाओं के ऊपर कर्ज बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। आम जनता से भारी टैक्स वसूल किया जा रहा है। आम जनता भी अपना जीवन-यापन आसानी से नहीं कर पा रही है। यह वास्तविक समस्याएं हैं। इनसे निपटने के लिए सत्ता पक्ष, विपक्ष और आम जनता को एकजुट होना पड़ेगा। यही समय की मांग है।

धर्म, जाति और धर्मांतरण- सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है।

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था।

जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं।

धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी।

जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है। आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि यह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो यह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है।सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था

राम को आत्मसात करने से ही मिलेगी जीवन मुक्ति!

राम नाम मे अदभुत शक्ति है। रा का बार बार उच्चारण करने से सामान्य से कम रक्तचाप बढ़ जाता है तो म का उच्चारण करने से सामान्य से अधिक रक्तचाप कम हो जाता है,जबकि अगर राम नाम का उच्चारण किया जाए तो रक्तचाप सामान्य रहता है। यही राम शब्द में जो शांति है, जो सुख है, जो सन्तुष्टि है। ऐसी किसी अन्य शब्द मे नही हो सकती। राम सिर्फ दशरथ पुत्र राम ही नही, अपितु उस परमात्मा का भी नाम है, जिनकी आराधना स्वयं दशरथनन्दन भी करते है। यानि राम परमसत्ता है तो एक आदर्श का प्रतिरूप भी। तभी तो राम हर किसी के रोम रोम में बसा है। आज से ही नही,बल्कि युगो युगो से राम की महिमा गाई जाती है। सबुरी राममय हुई तो रामसबुरी के हो गए और सबुरी के झूठे बेर तक खा लिए। आज सबुरी जैसी आस्था कम ही देखने को मिलती है। हालांकि राम का मंदिर बनने से असीम उत्साह हर उस व्यक्ति में है जिसके घट में राम है। राम मंदिर मुद्दा कानून की चौखट से होते हुए कानून की ही बदौलत निर्माण तक आ गया है। मंदिर जितना बड़ा और भव्य बन रहा है, उतना ही राम के भक्तो में हर्ष की अनुभूति होगी। लेकिन आवश्यक है कि हम राम को आत्मसात भी करे। राम मर्यादा पुरुषोत्तम है, तो हम भी राम का आदर्श स्थापित करे। राम के उच्च चरित्र को दर्शाती रामायण हिंदू धर्म की एक प्रमुख आध्यात्मिक धरोहर है परंतु रामायण को बार बार पढ़ने के बावजूद भी उसमें लिखे आध्यात्मिक मूल्यों की धारणा नहीं हो पा रही है। हम राम के नाम रूप पर तो बहस करते रहते हैं लेकिन राम को अपनाने की कभी कौशिश नही करते। रामायण को जीवन मूल्यों के रूप में समझने की आवश्यकता है। ताकि रामायण में लिखी हर बात आज के समय में प्रासंगिक सार्थक सिद्ध हो सके।

रामायण महर्षि बाल्मीकी के द्वारा लिखित एक आध्यात्मिक ग्रन्थ है। महर्षि बाल्मीकी ने आध्यात्मिक जागृति व ईश्वरीय अनुभूति के द्वारा दिव्य व महान ग्रन्थ रामायण को रचा था, जिससे वे स्वयं भी महान हो गए। वह व्यक्ति दूसरों का शुभचिंतक हो जाता है,जो स्वयं की अनुभूतियों को समाज कल्याण हेतु प्रयोग कर लोगों में एक नई सोच फैलाने का कार्य करता है। स्वयं का जीवन परिवर्तन होने पर महर्षि बाल्मीकी ने समाज में आध्यात्मिक जागृति लाने का अभियान चलाया। मोह माया में फँसे लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान रोचक लग सके ,इसके लिए उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान को एक रोचक कहानी के रूप में प्रस्तुत किया। जिसमें मुख्य नायक व नायिका राम और सीता को रखा गया। उसी प्रकार महाकवि तुलसी दास ने राम चरित मानस के माध्यम से राम को आदर्श व मर्यादा का पर्याय सिद्ध किया। महर्षि बाल्मीकी ने त्रेता युग के बाद समाज में आध्यात्मिक क्रांति लाने हेतु राम व सीता का नाम व चरित्र समाज के सामने प्रस्तुत किया। तभी तो वे संसार के प्रेरक बन गए। हम रामायण के सभी पात्रों को उसी तरह से स्वीकार करते हैं जैसे रामायण को पढ़ने पर जान पडता है। परन्तु इस तरह से तो रामायण में दर्शाए गए पूर्णतः अहिंसक पात्र भी हिंसक नज़र आते हैं जैसे राम के द्वारा रावण का वध करना, भगवान की परिभाषा को खंडित करता है ,राम यदि भगवान है तो वह हिंसक हो ही नहीं सकते और राम यदि सर्वशक्तिमान ईश्वर है तो उनकी सीता को एक दैत्य (रावण) कैसे उठाकर ले जा सकता है ? इसलिए कहीं न कहीं रामायण को किसी और परिपेक्ष में देखने की आवश्यकता है। रामायण का वास्तविक अर्थ जानने के लिए रामायण के विभिन्न पात्रों को निम्नलिखित रूप में समझ कर पढ़ें तो आपको उसमें लिखा एक एक आध्यात्मिक बिंदु समझ आ आएगा। राम वास्तव में परमात्मा ही है जो संगम युग में धरा पर अवतरित हो कर अपनी बिछड़ी हुई सीता (सतयुगी आत्मा) को रावण (विकारों) के चंगुल से छुड़ाने आते है। सीता, हर वह आत्मा जो वास्तव में पवित्र है परंतु आज रावण के चंगुल में फँसी होने के कारण संताप झेल रही है।

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते है कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर है, फिर भी हमारे निकट है-आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते है, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने मे हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ है।

किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रह्मसंहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक है।

जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित है, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं। जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों मे होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता है, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते है और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते है कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती है

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि, नवमी, शुक्रवासरे, पुर्नवसु नक्षत्रे, लुम्ब योगे, वल करणे, कर्क की चंद्रमा, करण योग, तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ मुहूंत सुबह में उत्तम फलदायी सुखी होगी7

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, जिद्दी, हठी, स्वाभिमानी, ट्रक, बस ड्राईवर, ट्रांसपोर्ट, जंगल का ठेकेदार, जंगली की लकड़ी का व्यापारी, उद्योगपति तथा खनिज संपदा माइनिंग वाला बॉक्साईड चूना तथा रेत मुरम का व्यापारी होगा।

मेष राशि :- मन में अशांति, किसी परेशानी से बचिए, कुटुम्ब की समस्या।

वृष राशि :- संवेदनशील होने से बचियेगा, नहीं तो अपने किए पर पछताना पड़े।

मिथुन राशि :- मानसिक कार्य में सफलता से संतोष, धन लाभ, बिगड़े हुए कार्य अवश्य बने।

कर्क राशि :- विरोधियों वर्ग का समर्थन फलप्रद हो, तथा शुभ कार्य के योग अवश्य बने।

सिंह राशि :- व्यावसायिक क्षमता अनुकूल रहे, स्थिति पूर्ण नियंत्रण पर बनी रहे।

कन्या राशि :- सामाजिक कार्यों में प्रभुत्व वृद्धि होगी, धनलाभ, आशानुकूल सफलता ।

तुला राशि :- अधिकारी वर्ग से विशेष समर्थन फलप्रद रहे, तथा कार्य अवश्य ही बने।

वृश्चिक राशि :- धन लाभ, कार्यकुशलता से संतोष, पराक्रम एवं समृद्धि के योग बनेंगे।

धनु राशि :- स्त्री शरीर चिंता, विवादग्रस्त होने से बचिए, कार्य बनने के योग बनेंगे।

मकर राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक हो, दैनिक कार्यगति में सफलता मिलेगा, ध्यान दें।

कुंभ राशि :- कार्य व्यवसाय में उत्तेजना, धन का व्यय एवं शक्ति निष्फल हो।

मीन राशि :- समृद्धि के साधन जुटाये, इष्टमित्र सुखवर्धक हो, कार्य का ध्यान रखे।

राम नवमी पर जीवन में रामत्व का अवतरण मर्यादा आदर्श और आत्मशुद्धि का संदेश

आज राम नवमी का पावन पर्व हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता बल्कि यह हमें अपने जीवन को सही दिशा में ले जाने की प्रेरणा भी देता है। भगवान राम का स्मरण होते ही मन श्रद्धा और भक्ति से भर उठता है। सहस्राब्दियों बीत जाने के बाद भी राम का नाम आज भी जन जन के हृदय में उसी आस्था के साथ विद्यमान है। इसका कारण यह है कि राम ने केवल उपदेश नहीं दिए बल्कि अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में आदर्शों को जिया। यही कारण है कि वे हर वर्ग हर युग और हर परिस्थिति में पूजनीय बने हुए हैं।

यह संसार निरंतर परिवर्तनशील है। जन्म और मृत्यु का क्रम अनवरत चलता रहता है। हर क्षण अनेक लोग जन्म लेते हैं और अनेक इस संसार से विदा हो जाते हैं। ऐसे में सभी को याद रखना संभव नहीं होता। इतिहास उन्हीं को याद रखता है जिन्होंने अपने जीवन को सार्थक बनाया हो और दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने हों। राम का जीवन इसी सत्य का सर्वोत्तम उदाहरण है। उन्होंने अपने जीवन को इस प्रकार जिया कि वे केवल अपने समय के ही नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भी मार्गदर्शक बन गए।

राम का व्यक्तित्व अत्यंत व्यापक और बहुआयामी है। वे एक आदर्श पुत्र हैं जिन्होंने पिता की आज्ञा को सर्वोपरि माना। वे एक आदर्श भाई हैं जिनका भरत के प्रति प्रेम अद्वितीय है। वे एक आदर्श पति हैं और एक आदर्श राजा भी हैं जिन्होंने अपने सुख से पहले प्रजा के सुख को महत्व दिया। उनके जीवन का प्रत्येक पक्ष हमें यह सिखाता है कि यदि हम अपने कर्तव्यों का पालन ईमानदारी और समर्पण के साथ करें तो जीवन में संतुलन और शांति संभव है।

राम नाम की महिमा भी अत्यंत अद्भुत है। गोस्वामी तुलसीदास ने राम नाम को मणि दीप कहा है जो भीतर और बाहर दोनों ओर के अंधकार को दूर करता है। यह केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं बल्कि एक गहन आध्यात्मिक सत्य है। जब व्यक्ति श्रद्धा और विश्वास के साथ राम का नाम स्मरण करता है तो उसके भीतर के विकार धीरे धीरे समाप्त होने लगते हैं। मन में शांति और स्थिरता का अनुभव होने लगता है। यही वह स्थिति है जहां से वास्तविक सुख की शुरुआत होती है।

राम नाम के दो अक्षर रा और म अपने आप में गहन अर्थ रखते हैं। जब रा का उच्चारण होता है तो मन के विकार बाहर निकलते हैं और जब म बोला जाता है तो जैसे एक द्वार बंद हो जाता है जिससे वे विकार पुनः भीतर प्रवेश नहीं कर पाते। यह प्रतीकात्मक व्याख्या हमें यह सिखाती है कि यदि हम सचेत होकर अपने जीवन को नियंत्रित करें तो हम अपने भीतर की नकारात्मकता को दूर कर सकते हैं।

आज का मनुष्य जीवन में आराम और सुख चाहता है लेकिन अक्सर वह उन साधनों को अपनाता है जो अंततः उसे दुःख की ओर ले जाते हैं। महावीर ने स्पष्ट कहा है कि सभी प्राणी सुख चाहते हैं और दुःख से बचना चाहते हैं। लेकिन सुख प्राप्त करने के लिए सही मार्ग का चयन आवश्यक है। यदि हम गलत साधनों का उपयोग करेंगे तो परिणाम भी गलत ही होगा। राम का जीवन हमें यही सिखाता है कि सच्चा सुख त्याग और संयम में है न कि भोग और आसक्ति में।

राम के जीवन का वनवास प्रसंग इस संदर्भ में अत्यंत प्रेरणादायक है। जब उन्हें चौदह वर्ष का वनवास मिला तो उन्होंने इसे दुःख के रूप में नहीं बल्कि एक अवसर के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने न तो क्रोध किया और न ही किसी प्रकार का विरोध। इसके विपरीत वे प्रसन्नता के साथ वन को चले गए। यह उनकी मानसिक शक्ति और सकारात्मक दृष्टिकोण का प्रमाण है। आज यदि हमारे जीवन में छोटी सी भी समस्या आ जाती है तो हम विचलित हो जाते हैं जबकि राम हमें सिखाते हैं कि हर परिस्थिति को धैर्य और संतुलन के साथ स्वीकार करना चाहिए।

वर्तमान समय में समाज में जो मूल्यहीनता और स्वार्थपरता बढ़ती जा रही है यह चिंताजनक है। रिश्तों में प्रेम और सम्मान की कमी होती जा रही है। परिवारों में तनाव और समाज में असंतुलन बढ़ रहा है। इसका मुख्य कारण यह है कि हमने अपने जीवन से आदर्शों को दूर कर दिया है। हमने भौतिक सुखों को ही जीवन का लक्ष्य मान लिया है और आध्यात्मिकता को पीछे छोड़ दिया है। यदि हम राम के आदर्शों को अपने जीवन में पुनः स्थापित करें तो इन समस्याओं का समाधान संभव है।

राम केवल एक नाम नहीं बल्कि एक जीवन दर्शन हैं। वे हमें सिखाते हैं कि विनम्रता सरलता और करुणा जैसे गुण जीवन को सुंदर बनाते हैं। यदि हम अपने व्यवहार में इन गुणों को अपनाएं तो हमारे रिश्ते मजबूत होंगे और समाज में समरसता बढ़ेगी। राम का जीवन यह भी सिखाता है कि सच्ची महानता त्याग में है। उन्होंने राज्य का त्याग करके यह सिद्ध किया कि पद और सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण है कर्तव्य और मर्यादा। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम केवल राम का नाम लेने तक सीमित न रहें बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। मंदिरों में जाकर पूजा करना महत्वपूर्ण है लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है अपने आचरण को शुद्ध करना। जब तक हमारे भीतर परिवर्तन नहीं आएगा तब तक बाहरी पूजा का कोई विशेष अर्थ नहीं रह जाएगा। राम नवमी का यह पर्व हमें यही संदेश देता है कि हम अपने भीतर के अंधकार को दूर करें और अपने जीवन में प्रकाश का संचार करें।

समाज में व्याप्त समस्याओं के लिए केवल परिस्थितियों को दोष देना उचित नहीं है। इन समस्याओं के मूल में कहीं न कहीं हमारी अपनी कमजोरियां ही हैं। यदि हम अपने दोषों को पहचान कर उन्हें सुधारने का प्रयास करें तो जीवन में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। यह कार्य कठिन अवश्य है लेकिन असंभव नहीं। निरंतर प्रयास और दृढ़ संकल्प से हम अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं। अंततः यह कहा जा सकता है कि राम नवमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं बल्कि आत्मचिंतन का अवसर है। यह हमें अपने जीवन को परखने और उसे सही दिशा देने की प्रेरणा देता है।

फिल्म वर्ग पहेली- 7154

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४

३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की "मैं कहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२

५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२

६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३

८. जतिन ग्रेवाल, वर्षा पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३

९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२

११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२

१२. सनी, डब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२

१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३

१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२

१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२

१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२

१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२

१९. 'सजना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'सपना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३

२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३

२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रंगों वाली' गीत वाली फिल्म-३

२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४

२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

२९. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२

३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३

३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२

३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४

२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३

३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

४. 'दुल्हन बन्दी हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२

५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३

६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेषाद्रि की फिल्म-३

७. 'कैसी कसी कैसी भली' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४

१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२

११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४

१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२

१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३

१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५

२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२

२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२

२५. नसीरुद्दीनशाह, रवीना, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३

२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7153

अबू धाबी में गिरा मिसाइल का मलबा, दो की मौत, तीन घायल

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में मिसाइल का मलबा गिरने से दो लोगों की मौत हो गई जबकि तीन घायल हो गए। गुरुवार को मीडिया कार्यालय ने अपने आधिकारिक एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने पोस्ट में बताया कि एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा बैलिस्टिक मिसाइल को सफलतापूर्वक रोकने के बाद, स्वेइहान स्ट्रीट में मलबा गिरा। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई जबकि तीन घायल हो गए और कई वाहनों क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके साथ ही लोगों को सलाह दी गई कि वे केवल आधिकारिक सोर्स से ही जानकारी लें, अफवाहें फैलाने से बचें और अपडेट का इंतजार करें।

होर्मुज स्ट्रेट दोस्तों के लिए खुला है, लेकिन दुश्मनों के लिए बंद है

तेहरान। ईरान-अमेरिका की जंग पूरी दुनिया के लिए बड़ा तेल संकट लेकर आई। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच अब सबसे बड़ा झटका हॉर्मुज स्ट्रेट से आया है, जो दुनिया के तेल कारोबार की सबसे अहम लाइफलाइन है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने साफ कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह बंद नहीं है। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट दोस्तों के लिए खुला है, लेकिन दुश्मनों के लिए बंद है। उन्होंने भारत का नाम लेते हुए कहा कि ऐसे देश जिन्हें हम दोस्त मानते हैं उनके लिए यह बंद नहीं है। उन्होंने इसमें रूस, चीन, पाकिस्तान का भी जिक्र किया।

वैश्विक तनाव के बीच मई में ट्रंप जाएंगे बीजिंग, शी जिनपिंग से करेंगे खास मुलाकात

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने घोषणा की है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 14-15 मई को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करने बीजिंग जाएंगे। यह वैश्विक तनाव के बीच दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच उच्च स्तरीय सहयोग के नवीनीकरण का संकेत है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा है कि दोनों नेताओं के बीच बहुप्रतीक्षित बैठक बीजिंग में होगी और इस साल के अंत में वाशिंगटन की पारस्परिक यात्रा की योजना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और राष्ट्रपति शी की चीन में होने वाली बैठक अब 14 और 15 मई को बीजिंग में होगी।

ईरान के लोग चाहते हैं मैं उनका सुप्रीम लीडर बन जाऊं और हंस दिए ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में कहा कि वे ईरान के साथ बातचीत कर रहे हैं। उनका दावा है कि जंग जल्दी खत्म करने के लिए दोनों तरफ से बातचीत जारी है। हालांकि ट्रंप के दावों को ईरान ने खारिज कर दिया। इन सब के बीच ट्रंप ने एक बात और कही जिसने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने कहा कि ईरान के कुछ लोग कह रहे थे कि आप हमारे अगले सुप्रीम लीडर बन जाओ।

मातम में बदलीं ईद की खुशियां- ढाका लौट रही बस नदी में गिरी, 26 यात्रियों की मौत

-यात्री बस पद्मा नदी में समाई, कई अब भी लापता; प्रधानमंत्री ने दिए जांच के आदेश

ढाका। बांग्लादेश में एक भीषण सड़क हादसे ने ईद की खुशियों को गहरे सदमें के साथ ही मातम में बदल दिया। राजबाड़ी जिले में हुए इस बस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। प्रधानमंत्री रहमान ने मृतकों के प्रति गहरा शोक व्यक्त करते हुए दुर्घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

इस बस दुर्घटना में अब तक 26 यात्रियों के मरने की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कई अन्य यात्री अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। राहत कार्य में लगी फायर सर्विस के अनुसार, 23 शव बस के अंदर से निकाले गए हैं, जिनमें 11 महिलाएं, 8 पुरुष समेत 5 बच्चे भी शामिल हैं। इस हादसे में अब तक 8 लोगों को जिंदा बचाया गया, लेकिन उनमें से 3 लोगों की बाद में इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। लापता हुए कुछ लोगों की तलाश जारी है। इस बीच खबर है कि 22 मृतकों के शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। बस में सवार अधिकांश यात्री ईद की छुट्टियां मनाकर राजधानी ढाका लौट रहे थे, जिनमें बच्चे भी शामिल थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हादसा बुधवार शाम लगभग 5-15 बजे राजबाड़ी जिले के दौलतदिया टर्मिनल पर हुआ। बताया जा रहा है कि बस एक फेरी (नाव) पर चढ़ने की कोशिश कर रही थी, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से वह सीधे पद्मा नदी में जा गिरी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई।हादसे के तुरंत बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। सेना, पुलिस, अग्निशमन सेवा और तटरक्षक बल की संयुक्त टीमों ने खराब मौसम और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद करीब छह घंटे तक लगातार अभियान चलाया। क्रेन की मदद से बस को नदी से बाहर निकाला गया। जब बस को बाहर निकाला गया, तो उसमें से 14 शव बरामद हुए, जबकि इससे पहले गोताखोरों ने दो महिलाओं के शव निकाल लिए थे। मृतकों की संख्या बढ़कर अब कुल 26 हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस जब फेरी पर चढ़ रही थी, उसी दौरान एक छोटी यूटिलिटी नाव पोंटून से टकरा गई। इस टक्कर के कारण बस चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और बस सीधे नदी में गिर गई। कुछ यात्री तैरकर बाहर निकलने में सफल रहे, जबकि कुछ को स्थानीय लोगों ने बचा लिया। हालांकि, कई यात्री बस के भीतर ही फंस गए, जिससे उनकी जान नहीं बच सकी। बताया जा रहा है कि बस में सवार कई यात्री एक ही परिवार के थे, जिससे हादसे का दर्द और भी गहरा हो गया। जो लोग बस के बाहर थे, वे सुरक्षित बच गए, लेकिन उनके अपने ही लोग पानी में समा गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने तत्काल अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की और हादसे की जांच के आदेश दिए हैं।

यूबा में इतिहास का सबसे बड़ा ब्लैक आउट, करोड़ों लोग बिजली-पानी के बिना बेहाल

हवाना। मार्च 2026 में क्यूबा अपने इतिहास के सबसे गंभीर बिजली संकट का सामना कर रहा है। 22 मार्च को देश का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह अंधेरे में डूब गया, और यह अंधेरा इतना व्यापक था कि नासा की सैटेलाइट तस्वीरों में भी स्पष्ट दिखा। नासा के ब्लैक मार्बल डेटा से पता चला कि बीते साल इसी तारीख को रोशनी जगमगा रही थी, लेकिन अब शहरों और गांवों में बिजली की भारी कमी है।

इस अचानक आए ब्लैकआउट ने 1 करोड़ से अधिक लोगों की जिंदगी प्रभावित कर दी है। सैटेलाइट तकनीक रात के समय जमीन पर जल रही रोशनी को ट्रैक करती है। तस्वीरों में साफ दिखाई दे रहा है कि हवाना और सैंटियागो डी क्यूबा जैसे बड़े शहर अपनी सामान्य क्षमता से बहुत कम बिजली पैदा कर पा रहे हैं। लगातार ग्रिड फेल होने और ईंधन की कमी ने देश को बड़े ऊर्जा संकट में धकेल दिया है।

क्यूबा अपनी बिजली की 83 प्रतिशत से अधिक जरूरतों के लिए तेल पर निर्भर है। बिजली बनाने वाले प्लांट पुराने हैं और इनके संचालन के लिए लगातार तेल की आपूर्ति जरूरी है। जैसे ही तेल की कमी होती है, बिजली उत्पादन रुक जाता है और पूरा सिस्टम बैठ जाता है। सौर ऊर्जा या अन्य विकल्पों की कमी ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। पूर्व में वेनेजुएला से मिलने वाला तेल देश के लिए सहारा था, लेकिन वहां की अपनी आर्थिक और राजनीतिक परेशानियों के कारण सप्लाई कम हुई है।

क्यूबा के पास विदेशी मुद्रा की कमी भी है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार से तेल खरीदना मुश्किल हो गया है। ऊपर से अमेरिकी प्रतिबंधों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। 29 जनवरी 2026 से लागू नए नियमों के तहत उन देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाया गया है जो क्यूबा को तेल सप्लाई करते हैं, जिससे जरूरी ईंधन और उपकरण मंगवाना लगभग असंभव हो गया है।

इस अंधेरे का असर सिर्फ बिजली तक सीमित नहीं है। पानी की सप्लाई बाधित हुई, खाने-पीने का सामान खराब हो रहा है, अस्पतालों में केवल जनरेटरों पर निर्भरता बढ़ गई, और मोबाइल व इंटरनेट नेटवर्क भी ठप पड़ गए हैं। करोड़ों लोग बिजली और बुनियादी सुविधाओं के बिना जीवन यापन करने को मजबूर हैं।

होर्मुज बंद होने के बाद भी चीन ने ढूंढ लिया नया ईरान, भर-भरकर मंगवा रहा पेट्रोल-एलपीजी

बीजिंग। मध्य पूर्व (मिडल ईस्ट) में जारी भीषण संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ब?ते तनाव ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर ब?ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। तेल आपूर्ति बाधित होने के डर से दुनिया भर के देश संकट में हैं, लेकिन इस बीच चीन ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित रखने के लिए एक वैकल्पिक और रणनीतिक रास्ता निकाल लिया है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीजिंग अब म्यांमार को केवल एक पड़ोसी देश के रूप में नहीं, बल्कि हिंद महासागर में प्रवेश करने के लिए अपने सबसे सुरक्षित बैकडोर के रूप में देख रहा है। चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारा अब बीजिंग के लिए केवल एक व्यापारिक मार्ग नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण रणनीतिक ढाल बन चुका है।

चीन की अर्थव्यवस्था का आधार समुद्री व्यापार है, जिसका लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा हिंद महासागर से होकर गुजरता है। चीन द्वारा आयात किए जाने वाले कुल कच्चे तेल का 80 प्रतिशत इसी रास्ते से आता है। बीजिंग को लंबे समय से मलक्का डिलेमा का डर सता रहा है, यानी उसे अंदेशा है कि युद्ध जैसी स्थिति में अमेरिका और भारत मलक्का जलडमरूमध्य और निकोबार गैप को बंद कर सकते हैं। इस संभावित घेराबंदी से बचने के लिए चीन ने म्यांमार के क्यायुकफ्यू बंदरगाह से लेकर अपने कुनमिंग शहर तक दो विशाल पाइपलाइनें बिछाई हैं। तेल पाइपलाइन की क्षमता सालाना 2.2 करोड़ टन कच्चा तेल ले जाने की है, जबकि गैस पाइपलाइन सालाना 12 अरब क्यूबिक मीटर गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करती है। इसके जरिए खाड़ी देशों से आने वाला तेल मलक्का जाने के बजाय सीधे म्यांमार के तट से पाइपलाइन के जरिए चीन पहुंच रहा है।

हिंद महासागर के इस बिसात पर चीन अपनी स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स नीति को भी लगातार धार दे रहा है।

मालदीव में बुनियादी ढांचे और फ्रेंडशिप ब्रिज जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए वह अपना प्रभाव बढ़ा रहा है।

ईरान ने इजराइल के डिमोना शहर पर फिर दागीं मिसाइलें, रातभर बजे एयर रैड सायरन

तेल अवीव। ईरान ने इजराइल के डिमोना शहर पर मिसाइल दागी, जहां देश की मुख्य शिमोन पेरेस नेगेव परमाणु अनुसन्धान केंद्र और रिएक्टर स्थित हैं। मीडिया रिपोर्ट में होम फ्रंट कमांड के मुताबिक इलाके में एयर रैड सायरन बजाए गए ताकि आने वाले मिसाइल हमलों की चेतावनी दी जा सके। इजराइली सेना ने इसकी पुष्टि नहीं की कि मिसाइल को इंटरसेप्ट किया गया या नहीं। बताया जा रहा है कि इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ।

मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि मिसाइल ने डिमोना को निशाना बनाया, जो नेगेव रेगिस्तान में परमाणु स्थल से करीब 13 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि वहां कोई नुकसान हुआ या नहीं। शिमोन पेरेस नेगेव न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर, जिसे अक्सर डिमोना रिएक्टर कहा जाता है, इजराइल की सबसे कड़ी सुरक्षा वाले स्थलों में से एक है। ईरान शनिवार से लगातार इस क्षेत्र पर हमले कर रहा है, जब डिमोना में एक मिसाइल हमले में 64 लोग घायल हुए थे। तेहरान ने कहा था कि यह हमला इजराइल द्वारा नतांज परमाणु केंद्र पर किए गए हमले बदला था। इजराइली अधिकारियों ने बताया कि 24 मार्च को ईरान से दागी गई एक मिसाइल ने तेल अवीव को निशाना बनाया, जिसमें कई लोग घायल हुए और इमारतों और वाहनों को नुकसान पहुंचा। तेल अवीव में जोरदार धमाके सुने गए और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि देश के व्यावसायिक केंद्र के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों से भारी धुआं उठता नजर आया। इजरायल की आर्मी रेडियो ने सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से बताया कि यह जाहिर तौर पर एक क्लस्टर-प्रकार की मिसाइल थी, जिसमें कई छोटे बम थे, जिनमें से प्रत्येक का वजन करीब 100 किलोग्राम था उनके टुकड़े कई स्थलों पर गिरे।

ईरान ने अब्राहम लिंकन पर दागीं क्रूज मिसाइलें, अमेरिका ने की तस्वीर जारी

तेहरान। मिडिल ईस्ट में जारी ईरान-अमेरिका युद्ध लगातार खतरनाक मोड़ लेता जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान ने अमेरिकी नौसेना के दैत्याकार विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन पर मिसाइल दागा। ईरान का कहना है कि उसने चाबहार के निकट, अपनी तटरेखा से करीब 250300 किलोमीटर दूर अब्राहम लिंकन की ओर क्रूज मिसाइलें दागीं। हालांकि अमेरिका ने इस हमले से हुए नुकसान की पुष्टि नहीं की है और तस्वीरें जारी कर अपने जहाज को सुरक्षित बताया है।

रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले ईरान ने चेतावनी दी थी कि अगर यह अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर उसकी मिसाइल रेंज में आया, तो उसे निशाना बनाया जाएगा। ईरान के इस हमले से क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। इस बीच साउथ कोरिया के किम जोन उन ने भी अमेरिका की आलोचना करते हुए कहा कि ईरान के खिलाफ युद्ध ÷स्टेट स्पॉन्सर्ड टेररिज्म÷ जैसा है। यह बयान वैश्विक स्तर पर इस संघर्ष को और राजनीतिक बना रहा है। वहीं होर्मुज को लेकर भी स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। ईरान ने कहा है कि केवल ÷मित्र देशों के÷ जहाजों को ही इस रास्ते से गुजरने दिया जाएगा। इस जलमार्ग से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल सप्लाई होता है, इसलिए इसका असर वैश्विक बाजार पर पड़ रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने दावा किया है कि उसके न्यूक्लियर पॉवर प्लान के पास एक प्रोजेक्टाइल गिरा। हालांकि इसमें किसी तरह का नुकसान या कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन यह घटना न्यूक्लियर सुरक्षा को लेकर नई चिंता पैदा करती है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया ने भी सुरक्षा कारणों से कुछ ईरानी वीजा धारकों के प्रवेश पर अस्थायी रोक लगा दी है।

अगर खर्ग द्वीप पर कब्जे की कोशिश की तो दुश्मनों के अहम ठिकानों को कर देंगे तबाह

ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने अमेरिका को दी खुली धमकी

तेहरान,(ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच पिछले 27 दिनों से युद्ध चल रहा है। इस युद्ध में अब संघर्ष का सबसे बड़ा केंद्र ईरान का खर्ग आइलैंड बन गया है। यह छोटा सा द्वीप ईरान के लिए आर्थिक लाइफलाइन है, जहां से देश के करीब 90फीसदी कच्चे तेल का निर्यात होता है। ईरान को डर है कि कहीं अमेरिका उसके खर्ग द्वीप पर सैनिक न उतार दे। यही वजह है कि ईरान ने अमेरिका के लिए खर्ग पर जाल बिछा दिया है। ईरान तैयारी के साथ अमेरिकी सैनिकों के आने का इंतजार कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने पिछले कुछ हफ्तों में ईरान ने इस द्वीप को पूरी तरह एक सैन्य किले में बदल दिया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि ईरान ने आइलैंड के चारों ओर बारूदी सुरंगों का जाल बिछा दिया है। साथ ही ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल हमले की तैयारी भी है, जिससे किसी भी बाहरी सैन्य कार्रवाई का जवाब तुरंत और घातक तरीके से दिया जा सके।

इस बीच ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने खुली धमकी दी है। उन्होंने कहा कि 'अगर किसी ने ईरान के किसी भी द्वीप पर कब्जा करने की कोशिश की, तो हम बिना किसी रोक के जवाबी हमला करेंगे और दुश्मनों के अहम ठिकानों को निशाना बनाएंगे। हालांकि अमेरिका पहले ही 13 मार्च को इस आइलैंड पर बड़ा हमला कर चुका है, जिसमें 90 से ज्यादा सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया था। इसमें मिसाइल स्टोरेज, नेवल माइन सुविधाएं और अन्य सैन्य ठिकाने शामिल थे, लेकिन तेल इंफ्रास्ट्रक्चर को जानबूझकर निशाना नहीं बनाया गया।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार इस आइलैंड पर कब्जा करने के विकल्प पर विचार कर रही है। इसका मकसद ईरान पर दबाव बनाकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दोबारा खोलने के लिए मजबूर करना है, लेकिन अमेरिका के अंदर ही इस प्लान पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ईरान-अमेरिका युद्ध और भी बढ़ सकता है। रिटायर्ड एडमिरल जेम्स स्टैवरिडिस ने साफ चेतावनी दी है, 'ईरानी बेहद चालाक और निर्दयी हैं। वे समुद्र में जहाजों और जमीन पर उतरते ही अमेरिकी सैनिकों को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। उनका कहना है कि यह ऑपरेशन अमेरिका के लिए भारी नुकसान का कारण बन सकता है।

ईरान युद्ध जल्द खत्म करो! ताकि घरेलू और राजनीतिक एजेंडों पर ध्यान दें सकें

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगियों को दिए निर्देश

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगियों से कहा है कि वह ईरान के साथ जारी युद्ध को लंबा नहीं खींचना चाहते और आने वाले कुछ हफ्तों में इसे खत्म करने की कोशिश में हैं। ट्रंप आने वाले कुछ हफ्तों में इस संघर्ष पर पूर्णविराम लगाना चाहते हैं ताकि वे अपने अन्य घरेलू और राजनीतिक एजेंडों पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप का कहना है कि युद्ध अपने अंतिम चरण में है और उन्होंने अपने सहयोगियों को सार्वजनिक रूप से बताए गए 4-6 हफ्तों के टाइमलाइन पर टिके रहने के निर्देश दिए हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने मई के मध्य में चीनी नेता शी जिनपिंग के साथ बीजिंग में एक शिखर सम्मेलन की योजना बनाई है। उम्मीद की जा रही है कि इस बैठक के शुरू होने से पहले ईरान युद्ध खत्म हो जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक समस्या यह है कि ट्रंप के पास युद्ध समाप्त करने के आसान विकल्प नहीं हैं और शांति वार्ता अभी शुरुआती चरण में है। बाहरी राजनीतिक सहयोगियों के साथ बातचीत के दौरान उनका ध्यान कई बार अन्य मुद्दों पर भी गया, जिनमें आने वाले मध्यावधि चुनाव, हवाई अड्डों पर इमिग्रेशन एजेंट भेजने का उनका फैसला और मतदाता पात्रता नियमों को कड़ा करने वाले कानून को कांग्रेस से पारित कराने की रणनीतियां शामिल हैं। एक ओर तो ट्रंप युद्ध खत्म करने के लिए कूटनीतिक रास्ते तलाश रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अमेरिका ने मध्यपूर्व में अतिरिक्त सैनिक तैनात कर दबाव भी बढ़ाया है। मध्यस्थ देशों के जरिए शुरुआती बातचीत शुरू हुई है, लेकिन अभी शांति वार्ता शुरुआती दौर में ही है और कोई ठोस समझौता नहीं हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने अपने सलाहकारों के सामने ये बात रखी कि युद्ध खत्म करने के किसी समझौते के तहत अमेरिका को ईरान के तेल तक पहुंच मिल सकती है। हालांकि, इस पर अभी कोई ठोस योजना नहीं बनी है।

अमेरिका अब एक साथ दो परमाणु खतरों चीन और रूस का कर रहा सामना- डिनानो

वॉशिंगटन। वैश्विक हालात में तेजी से बदलाव के बीच अमेरिका अब एक साथ दो परमाणु खतरों–चीन और रूस का सामना कर रहा है। यह बात शस्त्र नियंत्रण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के अवर सचिव थॉमस डिनानो ने कांग्रेस में सुनवाई के दौरान सांसदों से कही। डिनानो ने कहा कि वाशिंगटन को बीजिंग और मॉस्को दोनों से एक साथ परमाणु चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा छोटे परमाणु देशों से भी खतरे बढ़ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पारंपरिक हथियार नियंत्रण ढांचे अब मौजूदा भू-राजनीतिक और तकनीकी चुनौतियों के पैमाने और जटिलता को संभालने में सक्षम नहीं हैं।डिनानो ने कहा कि एक नामांकित अधिकारी के रूप में उन्होंने ऐसे हथियार नियंत्रण समझौते तलाशने का संकल्प लिया है, जो सत्यापन योग्य और लागू करने योग्य हों और अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करें। उन्होंने बताया कि उनका कार्यालय पुराने तंत्र को आधुनिक बनाने पर ध्यान दे रहा है। मौजूदा संधियां आज की वास्तविकताओं को, खासकर अमेरिका के विरोधियों की बढ़ती परमाणु क्षमताओं के संदर्भ में नहीं दर्शाती हैं। अमेरिका और रूस के बीच परमाणु हथियारों को सीमित करने वाली अंतिम प्रमुख संधि का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि न्यू स्टार्ट ने सिर्फ अमेरिका को रोका जबकि रूस को एक बड़ा थिएटर-रेंज्ड न्यूक्लियर हथियार बनाने और बनाए रखने की इजाजत दी। उन्होंने सरकार के एक्सपायर हो चुके समझौते से आगे बढ़ने के फैसले का बचाव किया। डिनानो ने कहा कि सरकार अब राष्ट्रपति ट्रंप के नए समझौते के दृष्टिकोण के हिसाब से अपडेटेड फ्रेमवर्क पर काम कर रहा है, जो लागू करने लायक हों और उभरते खतरों के हिसाब से ढल सकें। डिनानो ने कहा कि स्टेट डिपार्टमेंट का विस्तारित टी फैमिली ढांचा अब हथियार नियंत्रण, परमाणु अप्रसार, आतंकवाद-रोधी प्रयास सैन्य मामलों जैसे प्रमुख सुरक्षा कार्यों को एकीकृत करता है।

ईरान की मिसाइल रेंज में यूएसएस आया तो बनाएंगे निशाना, तबाही कंफर्म

-नौसेना प्रमुख शाहाम ईरानी ने दी चेतावनी, किसी भी खतरे का देंगे जवाब

तेहरान। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका को सीधी चेतावनी दी है। ईरानी नौसेना प्रमुख शाह्राम ईरानी ने कहा है कि यूएसएस अब्राहम लिंकन पर लगातार नजर रखी जा रही है और अगर यह ईरान की मिसाइल रेंज में आया, तो इसे निशाना बनाया जाएगा और इसकी तबाही कंफर्म है। शाह्राम ईरानी ने कहा कि उनकी सेना पूरी तरह तैयार है और किसी भी खतरे का जवाब दिया जाएगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य गतिविधियां तेज हो रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के सैन्य प्रवक्ता इब्राहिम जोलफाकारी ने भी अमेरिका पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अमेरिका की ÷रणनीतिक ताकत÷ अब ÷रणनीतिक हार÷ में बदल चुकी है। उन्होंने दावा किया कि अब क्षेत्र में स्थिरता ईरान की सैन्य ताकत के दम पर ही तय होगी। यह बयान ट्रंप के उस फैसले के बाद आया है, जिसमें उन्होंने ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले के लिए दिए गए 48 घंटे के अल्टीमेटम से पीछे हटने का संकेत दिया था।

ईरान ने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर उस पर हमला हुआ तो वह पूरे क्षेत्र के ऊर्जा ढांचे को तबाह कर देगा।

रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने अमेरिका के उस दावे को भी खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही है। तेहरान का कहना है कि कोई आधिकारिक बातचीत नहीं हुई है और अमेरिका सिर्फ ÷प्रचार÷ कर रहा है। ईरानी प्रवक्ता ने तंज कसते हुए कहा कि अमेरिका ÷खुद से ही बातचीत कर रहा है÷ और उसके अंदरूनी हालात भी ठीक नहीं हैं। यह बयान दोनों देशों के बीच गहरे अविश्वास को दिखाता है। कुल मिलाकर, हालात तनावपूर्ण हैं। एक तरफ बातचीत की बात हो रही है, तो दूसरी तरफ खुलेआम सैन्य धमकियां दी जा रही हैं। ऐसे में मिडिल ईस्ट में किसी बड़े टकराव का खतरा बढ़ता जा रहा है।

रंगसंसार

अदिति राव ने फैशन डिजाइनिंग की दुनिया में रखा कदम

मुंबई लैक्मे फैशन वीक में मशहूर फैशन ब्रांड सत्य पॉल ने अभिनेत्री अदिति राव हैदरी के साथ मिलकर एक आकर्षक कलेक्शन पेश किया। इसमें अदिति राव ने पहली बार फैशन डिजाइनिंग की दुनिया में कदम रखते हुए सह-रचनात्मक निदेशक की भूमिका निभाई। इस कलेक्शन में रंगों, कला और आधुनिक डिज़ाइन का शानदार मिश्रण देखने को मिला। कलेक्शन की खासियत इसमें इस्तेमाल किए गए जीवंत रंग, खूबसूरत चित्रकारी और विविध पैटर्न हैं, जो इसे अलग पहचान देते हैं।

डिज़ाइन की बात करें तो इसमें ड्रैगनफ्लाई यानी व्याध-पतंग, फूलों के पैटर्न और अमूर्त आकृतियों का खास तौर पर उपयोग किया गया है। ये तत्व कपड़ों पर प्रिंट, सजावट और हल्के एम्बेलिशमेंट के रूप में उभरकर सामने आते हैं, जो पूरे कलेक्शन को एक कलात्मक रूप देते हैं। इस कलेक्शन को बहुउपयोगी बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। पारंपरिक साड़ी को आधुनिक अंदाज में पेश करते हुए उसे हल्के पारदर्शी जैकेट, लंबे ढीले कोट और अन्य वेस्टर्न सिल्हूट के साथ जोड़ा गया है। इस तरह परंपरा और आधुनिकता का संतुलन बनाते हुए एक नया और स्टाइलिश लुक तैयार किया गया है, जो युवा पीढ़ी के साथ-साथ क्लासिक फैशन पसंद करने वालों को भी आकर्षित करता है। अदिति राव हैदरी ने इस अनुभव को अपने लिए बेहद खास बताया।

उन्होंने कहा कि इस कलेक्शन के जरिए उन्हें अपनी पसंद कला, रंग और कहानी को खुलकर अभिव्यक्त करने का मौका मिला। उनके अनुसार, यह कलेक्शन उनके व्यक्तित्व को दर्शाता है, जिसमें सादगी, स्वाभाविकता और नारीत्व की कोमलता के साथ उसकी ताकत भी झलकती है। वहीं, सत्य पॉल के रचनात्मक निदेशकों ने भी अदिति के साथ काम करने के अनुभव को सराहा। उनका कहना है कि अदिति के नए विचार, रंगों की समझ और रचनात्मक दृष्टिकोण इस कलेक्शन में स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं।

बेबी शॉवर में दुल्हन जैसी दिव्यांका दिखीं

टीवी शो ये है मोहब्बतें के फेम कपल दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया बहुत जल्द पेरेंट्स बनने वाले हैं। शादी के पूरे 10 साल बाद यह कपल अपने पहले बच्चे का स्वागत करेगा, जिसे लेकर फैंस और परिवार दोनों ही बेहद उत्साहित हैं। दिव्यांका ने कुछ समय पहले ही अपने प्रेग्नेंसी की पुष्टि की थी और अब उनका बेबी शॉवर आयोजित किया गया, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में दिव्यांका मैरून कलर की मैक्सी ड्रेस में नजर आईं, जिसमें उनका लुक किसी दुल्हन से कम नहीं लग रहा था। बालों में गजरा और सिर पर लाल चुनरी ने उनके ट्रेडिशनल अंदाज को और निखारा। फुल ढीली ड्रेस के कारण उनका बेबी बंप पूरी तरह दिखाई नहीं दे रहा था, लेकिन वह दोस्तों और पति विवेक दहिया के साथ खूबसूरत पोज देती नजर आईं। बेबी शॉवर में दिव्यांका और विवेक की खुशी साफ देखी जा सकती थी। दोस्त और करीबी लोग इस खास मौके को और यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे थे। तस्वीरों में कपल की मस्ती और खुशी देखने लायक थी, जिसे फैंस ने खूब सराहा और सोशल मीडिया पर प्यार लुटाया। दिव्यांका और विवेक की लव स्टोरी ये है मोहब्बतें के सेट पर शुरू हुई थी। धीरे-धीरे दोनों का रिश्ता गहरा हुआ और 2016 में उन्होंने शादी कर ली। अब शादी के 10 साल बाद कपल पेरेंट्स बनने जा रहा है और यह खुशी उनके जीवन के नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक बन गई है।

शिव ठाकरे ने प्राइज मनी फैन को दी

रियलिटी टीवी स्टार शिव ठाकरे ने हाल ही में पॉपुलर शो दा 50 की ट्रॉफी अपने नाम की है और इसके साथ मिली 50 लाख रुपये की प्राइज मनी भी जीती। हालांकि, शिव ने यह मनी खुद के पास नहीं रखी, बल्कि इसे अपने एक फैन को दे दिया, जिससे उन्होंने सबका दिल जीत लिया। शिव ने शो में कई चुनौतीपूर्ण टास्क पूरे किए और फिनाले तक पहुंचकर अपनी जीत सुनिश्चित की। ग्रैंड फिनाले में उनका मुकाबला मिस्टर फैसु, काका जी, रजत दलाल और कृष्णा श्रॉफ के साथ हुआ। कड़ी टक्कर के बावजूद शिव विजेता बनकर उभरे। शो की शुरुआत 1 फरवरी को हुई थी, जिसमें कुल 50 कंटेस्टेंट्स ने लायन पैलेस में प्रवेश किया। सेमी-फाइनल में रजत, प्रिंस नरूला, शिव, फैसु, अर्चना गौतम, मनीषा रानी, नेहा चुडासमा, रिद्धि डोगरा, उर्वशी ढोलकिया, काका और कृष्णा के बीच टास्क हुआ। प्रिंस ने फिनाले का टिकट शिव को दे दिया, जिससे वह अंतिम राउंड में पहुंचे। शिव ठाकरे पहले भी बिग बॉस मराठी 2 के विजेता रह चुके हैं और बिग बॉस 16 में पहले रनर-अप भी बने थे। उनके फैंस के बीच यह खबर खुशी और गर्व का कारण बनी है।

धुरंधर 2 विवाद- सिख समुदाय द्वारा शिकायत दर्ज

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म धुरंधर 2 बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों की भारी पसंद पा रही है, लेकिन कुछ सीन के चलते विवादों में भी घिर गई है। मुंबई के मुलुंड में सिख समुदाय ने फिल्म के निर्माता और अभिनेता रणवीर सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि फिल्म में सिखों और गुरु गोबिंद सिंह की भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई है। शिकायतकर्ता गुरज्योत कौर, शिवसेना नेता और सिख इन महाराष्ट्र संगठन की अध्यक्ष, ने रणवीर सिंह के पगड़ी पहने लुक और हाथ में दिखी सिगरेट को आपत्तिजनक बताया। उन्होंने प्रोडक्शन हाउस से माफी मांगने की डिमांड की और चेतावनी दी कि अगर उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। यह पहला मौका नहीं है जब इस फिल्म को लेकर शिकायत सामने आई हो। फिल्म रिलीज से पहले भी सिख समुदाय ने विवादित सीन पर आपत्ति जताई थी। फिल्म में रणवीर सिंह ने जसकिरत सिंह रंगी का किरदार निभाया है, जो पंजाब के एक गांव का रहने वाला और आर्मी बैकग्राउंड से जुड़ा है। फिल्म के आखिरी सीन में रणवीर को बड़ी दाढ़ी, पग और कड़ा पहने दिखाया गया है, जिससे विवाद बढ़ा। निर्देशक आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रियाएं पाई हैं, लेकिन सिख समुदाय की भावनाओं के कारण टीम पर कानूनी और सामाजिक दबाव बढ़ गया है।

मधु मंटेना और ईरा त्रिवेदी बने माता-पिता

बॉलीवुड से हाल ही में खुशखबरी सामने आई है। फिल्म गजनी के प्रोड्यूसर मधु मंटेना और उनकी पत्नी ईरा त्रिवेदी के घर बच्चे की किलकारी गूंजी। ईरा ने 21 मार्च को अपने बच्चे को जन्म दिया। कपल ने खुशी की खबर सोशल मीडिया पर साझा की। ईरा ने इंस्टाग्राम पर बच्चे के पैर का निशान और भगवान कृष्ण की फोटो शेयर की। कैप्शन में लिखा, च्हे कृष्ण, इस दिव्य आशीर्वाद के साथ हमारी जिंदगी को प्यार और रोशनी से भरने के लिए आपका शुक्रिया। ईरा और मैंने कल नवरात्रि के पवित्र दिनों और ईद के मौके पर अपने बच्चे का स्वागत किया।ज्ज् हालांकि, ईरा ने यह नहीं बताया कि बेटे या बेटी को जन्म दिया गया है, लेकिन भगवान कृष्ण की फोटो के कारण फैंस का अनुमान है

टीवी से फिल्मों तक का रास्ता आसान नहीं था- उल्का गुप्ता

मनोरंजन जगत में एक प्लेटफॉर्म पर सफलता हासिल करने के बाद कलाकारों के लिए दूसरे माध्यम में खुद को स्थापित करना आसान नहीं होता। यहां हर कलाकार की यात्रा अलग और चुनौतीपूर्ण होती है। अभिनेत्री उल्का गुप्ता के लिए भी टीवी से फिल्मों तक का सफर कुछ ऐसा ही रहा। उल्का गुप्ता ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन से की और धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनानी शुरू की। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने अब तक के सफर को याद करते हुए बताया कि यह रास्ता बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि टीवी में कई सालों तक काम करने और अभिनय की बारीकियां सीखने के बावजूद फिल्मों में आने के लिए उन्हें कई ऑडिशन्स देने पड़े और खुद को बार-बार साबित करना पड़ा। उन्होंने बताया कि आज वह जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के पीछे उनकी कड़ी मेहनत और लगातार प्रयास हैं।

उल्का ने कहा कि हर नए मौके के लिए उन्हें पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ी, क्योंकि फिल्म इंडस्ट्री में प्रतिस्पर्धा काफी अधिक है और यहां अपनी पहचान बनाना समय लेता है। गौरतलब है कि उल्का गुप्ता को सबसे पहले पहचान लोकप्रिय टीवी शो झांसी की रानी से मिली थी। इस शो में उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई के बचपन यानी च्मणिकर्णिकाज् का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इस भूमिका ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई और उनके करियर की मजबूत नींव रखी। इस अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा कि इस शो ने उन्हें एक बेहतर कलाकार बनने में बहुत मदद की। फिल्मों को लेकर अपने नजरिए पर बात करते हुए उल्का गुप्ता ने कहा कि सिनेमा समाज का आईना होता है। उनके अनुसार, फिल्मों के जरिए समाज में घटित घटनाओं और वास्तविकताओं को सामने लाया जाता है।

कई बार फिल्में सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि सामाजिक मुद्दों को उजागर करने के साथ-साथ उनके समाधान की दिशा भी दिखाने की कोशिश करती हैं। उल्का का मानना है कि एक कलाकार के रूप में जिम्मेदारी सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं होती, बल्कि समाज से जुड़े विषयों को संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करना भी उतना ही जरूरी है। बता दें कि टीवी के बाद उल्का ने फिल्मों की ओर रुख किया और सिम्बा से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की, जिसमें उन्होंने अभिनेता रणवीर सिंह की बहन का किरदार निभाया। इसके बाद वह केरल स्टोरी 2 में च्सुरेखाज् की भूमिका में नजर आईं, जहां उन्होंने एक गंभीर और प्रभावशाली किरदार को जीवंत किया।

शब्द पहेली - 8678

बाएँ से दाएँ
1. कंठ, गला-3
3. पक्षियों का शोर-4
5. शारीरिक ऊँचाई-2
6. पाचन शक्ति-3
7. मां की माता-2
8. प्यार, प्रेम (अंग्रेजी-2)
10. रचना करने वाला-5
12. शोरबा, तरी-3
15. खाद्य सामग्री-3
17. दोनों हाथों को पीटना-5
20. भाग्य (अंग्रेजी-2)
22. कदली, एक फल-2
23. उपासना, शीश झुकाना-3
24. घ्राणेन्द्रिय, नासिका-2
25. तहखाना-4
26. दया-3

ऊपर से नीचे
1. मर्यादा, सीमा-2
2. कहानी लिखने वाला-5
3. अचरज भरा कार्य-3
4. वर, इच्छित वस्तु देना-4
5. जलजला-3
7. मां के पिता-2
9. चिकनाई-2
11. हशीश, एक प्रकार का मादक पदार्थ-3
13. बोलने का तरीका-3
14. तमीजवाला-5
15. परंपरा, रिवाज-4
16. राजनीतिक पार्टी-2
18. आफत, मुसीबत-2
19. नाट्य, कथा मंचन-3
21. कमी-3
24. संबोधन-2

शब्द पहेली - 8677 का हल

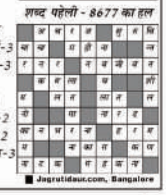

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

27 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मीन में
चंद्र	मिथुन में
मंगल	कुंभ में
बुध	कुंभ में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मेष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मेष	06.55 बजे से
वृष	08.36 बजे से
मिथुन	10.34 बजे से
कर्क	12.47 बजे से
सिंह	15.03 बजे से
कन्या	17.15 बजे से
तुला	19.26 बजे से
वृश्चिक	21.41 ब.से
धनु	23.57 बजे से
मकर	02.02 बजे से
कुंभ	03.48 बजे से
मीन	05.21 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 86 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 10.07 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 15.24 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 22.10 बजे को समाप्त।
करण कौलव 10.07 बजे तदनन्तर तैतिल 21.24 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 7.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 02° 31'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1872661
जुलियन दिन 2461126.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 07
विशेष स्वामीनारायण, संत सुंदरदास जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय को मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक अप्रैल से पैन के बदलेंगे नियम, जानें पूरी प्रक्रिया

यदि आपने अभी तक पैन नहीं बनवाया है, तो यह समाचार आपके लिए महत्त्वपूर्ण है। आयकर विभाग की वर्तमान व्यवस्था के अनुसार अभी केवल आधार के माध्यम से घर बैठे पैन बनवाया जा सकता है। लेकिन एक अप्रैल 2026 से नियमों में परिवर्तन होने जा रहा है, जिसके बाद यह प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक जटिल हो सकती है।

वर्तमान में पैन बनवाने के लिए किसी अतिरिक्त प्रमाण की आवश्यकता नहीं है। केवल आधार संख्या और उससे जुड़े चल मोबाइल नंबर के माध्यम से पहचान सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर कुछ ही समय में पैन प्राप्त किया जा सकता है। यह सुविधा पूरी तरह घर बैठे, बिना किसी शुल्क के और अत्यंत सरल है।

इसलिए जानकारों का कहना है कि लोगों को इस अवसर का लाभ तुरंत उठा लेना चाहिए। नए नियम लागू होने के बाद पैन बनवाने के लिए अतिरिक्त प्रमाण प्रस्तुत करने पड़ सकते हैं, जिनमें जन्म प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज शामिल हो सकते हैं। इससे न केवल प्रक्रिया लंबी हो सकती है, बल्कि लोगों को अधिक औपचारिकताएं भी पूरी करनी पड़ेंगी। 'एक्स' पर सीएससी ई-गवर्नेंस द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, एक अप्रैल 2026 से पैन बनवाने के लिए केवल आधार पर्याप्त नहीं होगा। आवेदकों को अब जन्म तिथि और पहचान के लिए अतिरिक्त प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे। इनमें जन्म प्रमाण पत्र, मतदाता पहचान पत्र, दसवीं की अंकतालिका या प्रमाण पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, मजिस्ट्रेट द्वारा प्रमाणित शपथ पत्र, पासपोर्ट जैसे दस्तावेज शामिल हो सकते हैं।

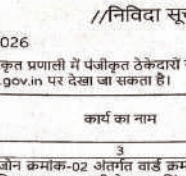

वाराणसी के नमो घाट पर 'फिट इंडिया मूवमेंट' के अंतर्गत आयोजित साइकिल रैली में भाग लेते प्रतिभागी।

युवाओं के लिए सफलता का मूल मंत्र: समझ, संतुलन और सहयोग

परामर्श

आज के समय में केवल ज्ञान या धन अर्जित करना ही सफलता की गारंटी नहीं है। यदि आप जीवन और कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं, तो आपको लोगों और काम के बीच सही संतुलन बनाना सीखना होगा। इसके लिए भावनाओं को समझने की क्षमता, नैतिक दृष्टि और दूसरों के साथ मिलकर काम करने का गुण अत्यंत आवश्यक है। यही वे मानवीय गुण हैं, जो आपको एक अच्छा मार्गदर्शक और जिम्मेदार व्यक्ति बनाते हैं।

सबसे पहले बात करते हैं परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की। बदलते समय के साथ चलना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसका अर्थ केवल बदलाव को स्वीकार करना नहीं, बल्कि नई परिस्थितियों में सही सोच विकसित करना, त्वरित और उचित निर्णय लेना तथा उसी अनुसार कार्य करना है। आज का युवा अनेक चुनौतियों, बाजार के उतार-चढ़ाव और नई तकनीकों का सामना कर रहा है। जो व्यक्ति इन परिवर्तनों को अवसर के रूप में देखता है, वही आगे बढ़ता है। अब बात आती है मिल-जुलकर काम करने की। दूसरों की भावनाओं को समझना और उनका सम्मान करना एक महत्वपूर्ण गुण है।

जब आप अपने साथियों की बात ध्यान से सुनते हैं, उनके दृष्टिकोण को समझते हैं और उनकी परिस्थितियों का सम्मान करते हैं, तब विश्वास का वातावरण बनता है। इससे न केवल संबंध मजबूत होते हैं, बल्कि कार्यस्थल पर सकारात्मकता और सहयोग भी बढ़ता है।अंत में, समान अवसर और सम्मान का महत्व समझना जरूरी है। हर व्यक्ति अलग है, उसकी सोच और अनुभव अलग हैं। जब आप सभी को बराबरी का अवसर देते हैं और खुले मन से उनकी बात सुनते हैं, तब नए विचार जन्म लेते हैं और बेहतर निर्णय संभव होते हैं।

तेजस्वी यादव नेता प्रतिपक्ष बने रहेंगे?

राज्यसभा के चुनाव में राजद को प्रमुख विपक्षी दल का दर्जा मिला है। तेजस्वी यादव नेता प्रतिपक्ष बने हैं। राजद के मुस्लिम विधायक फैसल रहमान ने मतदान में भाग नहीं लिया। कांग्रेस के तीन विधायकों ने मतदान में भाग नहीं लिया। नेता प्रतिपक्ष बने रहने के लिए कम से कम 24 विधायक चाहिए।यदि फैसल रहमान पर पार्टी कार्यवाही करती है। तो नेता प्रतिपक्ष का पद तेजस्वी यादव के पास नहीं रहेगा। इसको लेकर वह चुपचाप हैं।राजद के विधायक उनकी मजबूरी को समझ रहे हैं। इस स्थिति में दोनों हाथ से लड्डू लूटने में लगे हैं। इसे कहते हैं, राजनीति

हालात से समझौता करना थरूर की मजबूरी

एक समय था, जब कांग्रेस सांसद शशि थरूर बहुत फैल-पसर रहे थे उनके तार सीधे प्रधानमंत्री से जुड़ गए थे।उन्हें लग रहा था, वह केंद्रीय मंत्री बन जाएंगे। लेकिन कुछ नहीं हुआ। केरल में भाजपा हाशिए पर है। शशि थरूर का टकराव कांग्रेस पार्टी के साथ बढ़ गया था। उनका सपना केरल के मुख्यमंत्री बनने का था जो मुमकिन नहीं है। ऐसी स्थिति में वह वेणुगोपाल को रोकने में और अपनी स्थिति को मजबूत बनाने में लग गए हैं।समय सबको औकात पर ला देता है। यही शशि थरूर के साथ हो रहा है।

शशि थरूर नहीं तो वेणुगोपाल भी नहीं

कांग्रेस के संगठन महासचिव वेणुगोपाल राहुल गांधी के विश्वास पात्र हैं। उन्हीं के कारण शशि थरूर कांग्रेस में कमजोर हुए। शशि थरूर मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर होकर वेणुगोपाल के रास्ते में कांटे बिछा रहे हैं। उन्होंने कहा, केरल में कांग्रेस की सरकार बनेगी। वहां का मुख्यमंत्री चुनाव लड़के जीते हुए विधायक को ही मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। वेणुगोपाल चुनाव लड़ेंगे नहीं, इसलिए दौड़ से बाहर हो जाएंगे। रमेश चेन्नईथला, वीडी सतीशन और सुधाकरण के नाम अभी से मुख्यमंत्री के लिए चलना शुरू हो गए हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

//निविदा सूचना//

क्रमांक-950/ई-टेंडर/न.पा.नि./2026 रीवा, दिनांक 25.03.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2026_UAD_494597_1 26.03.2026 [SECOND CALL] 947/25.03.2026	जोन क्रमांक-02 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-08 में विकास आटा चक्की से अजय सिंह जी के घर तक एवं नर्मदा सेन जी के घर से श्रीवास्तव जी के घर तक RCC रोड एवं पुलिया निर्माण का कार्य।	04 माह ₹44.86 लाख	₹5000.00 ₹33645.00	10.04.2026 18:00 बजे तक।
2.	2026_UAD_494598_1 26.03.2026 [SECOND CALL] 948/25.03.2026	जोन क्रमांक-02 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-29 में लखन ताम्रकार जी के घर से हजारी चौराहा एवं लाइब्रेरी तक RCC नाली निर्माण का कार्य।	03 माह ₹19.58 लाख	₹2000.00 ₹14685.00	10.04.2026 18:00 बजे तक।
3.	2026_UAD_494599_1 26.03.2026 [THIRD CALL] 949/25.03.2026	जोन क्रमांक-02 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-30 में (1) खलील जी जूता वाले से नेमीचंद्र गुप्ता जी के घर तरहटी तक, (2) बी.डी. कछवाहा जी के घर से गोविंद सिंह चौराहा तक, (3) संजू रजक जी के घर से केदार जी हलवाई चिकन टोला तक, (4) मास्टर लाइट डीजे के घर से पार्षद जी के घर तक, (5) लेयाकत अली जी के घर से मस्जिद अल्ला खां जी के घर तक RCC नाली निर्माण का कार्य।	04 माह ₹26.19 लाख	₹5000.00 ₹19643.00	10.04.2026 18:00 बजे तक।

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
(जोन क्रमांक-02)
नगर पालिक निगम
रीवा (म.प्र.)

बेहद असरदार व्यायाम के फायदों के बारे में बताया शिल्पा शेट्टी ने

मुंबई हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर एक नया फिटनेस वीडियो शेयर किया, जिसमें वह च्रिवर्स हाइपरज् एक्सरसाइज करती नजर आ रही हैं। शेयर किए गए वीडियो के माध्यम से उन्होंने इस कम चर्चित लेकिन बेहद असरदार व्यायाम के फायदों और सही तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

शिल्पा ने इस एक्सरसाइज को अंडररेटेड बताते हुए कहा कि यह खास तौर पर ग्लूट्स यानी नितंब की मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए बेहद उपयोगी है। उन्होंने बताया कि रिवर्स हाइपर करते समय हिप एक्सटेंशन की प्रक्रिया के जरिए ग्लूटस मैक्सिमस मांसपेशी को प्रभावी ढंग से टारगेट किया जाता है, जिससे न सिर्फ ताकत बढ़ती है बल्कि शरीर का आकार भी बेहतर होता है। अभिनेत्री के अनुसार, यह एक्सरसाइज लोअर बैक यानी कमर के निचले हिस्से के लिए भी सुरक्षित मानी जाती है।

यह पोस्टीरियर चेन जिसमें पीठ, ग्लूट्स और हैमस्ट्रिंग्स शामिल होते हैं को मजबूत बनाती है और रीढ़ की हड्डी पर अतिरिक्त दबाव डाले बिना संतुलित ताकत विकसित करती है। उन्होंने बताया कि जो लोग स्क्वाट्स और डेडलिफ्ट्स जैसी भारी एक्सरसाइज करते हैं, उनके लिए भी यह अभ्यास काफी फायदेमंद है, क्योंकि यह हिप एक्सटेंशन की ताकत बढ़ाने में मदद करता है। शिल्पा ने यह भी कहा कि रिवर्स हाइपर एक्सरसाइज शरीर के संतुलन को बेहतर बनाती है और मांसपेशियों के बीच तालमेल स्थापित करती है। नियमित अभ्यास से लोअर बैक की जकड़न कम होती है और रक्त संचार बेहतर होता है, जिससे रीढ़ को बेहतर सपोर्ट मिलता है।

ठेठ देशी अंदाज से मीडिया से मिले ईशान

मुम्बई। सनराइजर्स हैदराबाद की आईपीएल के शुरुआती मैचों में कप्तानी करने जा रहे बल्लेबाज ईशान किशन भारतीय क्रिकेट बोर्ड की कप्तानों के साथ हुई उस बैठक में शामिल हुए जिसमें सभी आईपीएल टीमें के कप्तान बुलाये गये थे। ईशान को नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने के कारण कप्तानी की जिम्मेदारी मिली है।

बीसीसीआई के साथ बैठक से बाहर निकले तो ईशान का अंदाज जबरदस्त था। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। ईशान जब बैठक के बाद पार्किंग एरिया में आए तो वहां पर मीडिया भी उपस्थित था।

आरसीबी हमेशा मेरे दिल में रहेगी : माल्या

लंदन। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से ठीक पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आरसीबी वे बिकने से टीम के पूर्व मालिक विजय माल्या भावुक नजर आये। माल्या, ने साल 2008 में आईपीएल की शुरुआत के दौरान आरसीबी को केवल 450 करोड़ रुपये में खरीदा था। उन्होंने आरसीबी के नए मालिकों को बधाई देते हुए लिखा कि वह उन्हें उज्ज्वल भविष्य और सफलता की शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि जब उन्होंने टीम खरीदी थी तब कई लोगों ने उनका मजाक उड़ाया था और इससे गलती करार दिया था। माल्या ने कहा कि तब उनका लक्ष्य सिर्फ एक टीम खरीदना नहीं, बल्कि 'रॉयल चैलेंज' ब्रांड को स्थापित करना था जिसमें वह सफल रहे।

ऋतुराज बोले, सैमसन और मैं करेंगे सीएसके की पारी की शुरुआत

चेन्नई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि इस सत्र में वह संजू सैमसन के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। गायकवाड़ के इस बयान के बाद टीम की सलामी जोड़ी को लेकर लगायी जा रही अटकलें भी समाप्त हो गयी हैं। सैमसन इस सत्र में रॉयल्स को छोड़कर सीएसके से जुड़ गये थे। ऋतुराज ने कहा कि तीसरे नंबर पर आयुष म्हात्रे उतरेंगे। सैमसन ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन कर दिखाया है कि टी20 में वह पारी की शुरुआत के लिए काफी अच्छे हैं। सैमसन ने टी-20 विश्व कप 2026 में में भी काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 300 से अधिक रन बनाये थे।

पीएसएल से पहले मीडिया पर भड़के शाहीन

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट और खिलाड़ियों का पुराना रिश्ता है। ऐसे में पाक सुपर लीग (पीएसएल) 2026 से पहले तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी मीडिया पर ही भड़क गये। गद्दाफी स्टेडियम में सभी टीमों के कप्तान मीडिया से बात कर रहे थे। इसी बीच लाहौर कलंदर्स की कप्तानी कर रहे अफरीदी एक सवाल पर भड़क गये।

ऋषभ को अपने खेलने का अंदाज बदलना होगा - आकाश चोपड़ा

खेल की बुनियादी बातों पर ध्यान देना होगा

नई दिल्ली (इंएमएस)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आईपीएल सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत को अगर बेहतर प्रदर्शन करना है तो उन्हें अपने खेलने का अंदाज बदलना होगा। चोपड़ा के अनुसार ऋषभ अपने अनोखे शॉट के लिए जाने जाते हैं पर अब यही उनकी परेशानी बन गये हैं। इस प्रकार के शॉट खेलने में जोखिम ज्यादा होने के कारण वह अपना विकेट गंवा देते हैं। इसपर विचार करते हुए उन्हें हालात के अनुसार टिककर खेलना होगा। विशेषकर सफेद गेंद प्रारुप में उन्हें अपनी बल्लेबाजी में बदलाव करते लंबी पारी खेलनी होगी तभी वह भारतीय टी20 टीम में भी वापसी कर पायेंगे।

चोपड़ा ने बताया कि भारतीय टी20 टीम में अपनी जगह वापस पाने के लिए उन्हें मूल बातों पर ध्यान देना होगा। चोपड़ा ने कहा, ऋषभ को अब हालात के अनुसार विकेट पर रुककर खेलने का प्रयास करना चाहिये। पिछले सीजन में उन्हें समय लेकर अपनी फॉर्म वापस पाने के मौके मिले थे, फिर भी वह जोखिम भरे शॉट खेलते रहे जिसकी वजह से उनकी आलोचना हुई। उन्होंने आगे कहा, पिछले टी20 विश्वकप विजेता टीम में शामिल होने के बाद भी अब वह राष्ट्रीय टीम से बाहर है और उनके लिए इसमें जगह बनाना काफी कठिन है। इसका कारण है कि चयनसमिति आज ऐसा विकेट कीपर चाहती है जो तीसरे नंबर पर अच्छी बल्लेबाजी कर सके। ऐसे में उन्हें अपन जगह हासिल करने काफी प्रयास करना होगा।

चोपड़ा ने कहा कि खेल को देखने का अनोखा नजरिया ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। साथ ही कहा कि टेस्ट क्रिकेट में काफी रन बनाने के बाद भी उनके जोखिम भरे बल्लेबाजी के तरीके को पूर्व कोच राहुल द्रविड़ पसंद नहीं करते थे। चोपड़ा ने कहा, कभी-कभी हम यह समझ नहीं पाते कि वह खेल को किस अंदाज से देखते हैं।

टेस्ट क्रिकेट के दौरान जब द्रविड़ हेड कोच थे, तब उनसे इस बारे में बातचीत हुई थी। चोपड़ा ने आगे कहा कि उनका पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह से सलाह लेने की इच्छा दिखाना एक अच्छा संकेत है, जो दिखाता है कि वह अपने खेल को बेहतर बनाने और उसमें सुधार करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए सबसे अच्छी बात यह है कि उन्होंने यह मान लिया है कि उन्हें अपने खेल में कुछ बदलाव करने की जरूरत है। उन्हें एक सही रणनीति की तलाश करनी होगी।

रोहित और डिकॉक की जोड़ी विरोधियों पर भारी पड़ेगी : बद्रीनाथ

नई दिल्ली। आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस (एमआई) 29 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। इसमें एक बार फिर रोहित शर्मा और क्विंटन डिकॉक मुम्बई की पारी की शुरुआत करते हुए दिखेंगे। इसी को लेकर पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने कहा है कि रोहित और डिकॉक की सलामी जोड़ी आईपीएल में विरोधी टीमों पर भारी पड़ेगी।

डिकॉक को मुंबई ने आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में एक करोड़ रुपये के आधारमूल्य पर खरीदा था। डिकॉक ने मुम्बई की ओर से साल 2019 से 2021 तक खेल खेलते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बद्रीनाथ ने कहा, "रोहित अभी भी भारतीय टी20 टीम का हिस्सा बनने के लिए शानदार हैं। डिकॉक के साथ उसकी शुरुआती जोड़ी काफी अच्छी है।"

बद्रीनाथ ने कहा कि टीम को तिलक वर्मा को नंबर 3 पर ही उतारना चाहिये। उन्होंने यह भी कहा कि सूर्यकुमार यादव को नंबर 4 और कप्तान हार्दिक पांड्या को नंबर 5 पर ही उतारें। बद्रीनाथ ने कहा, तिलक ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के लिए नंबर 5 और 6 पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है पर अगर वह वहीं बल्लेबाजी करेंगे तो नंबर 3 पर किसे उतारा जाएगा। उसके बाद हार्दिक, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड और विल जैक्स जैसे विकल्प टीम के पास हैं। भारतीय न टीम ने रिंकू सिंह के नहीं होने की पर तिलक को नीचे बल्लेबाजी करने भेजा पर आईपीएल में तिलक को नंबर 3 पर ही उतारना चाहिये।

इस पूर्व क्रिकेटर ने रोहित की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अभी भी इतने फिट है कि भारतीय टी20 टीम से खेल सकते है। रोहित ने टी20 प्रारुप से पहले ही संन्यास ले लिया है हालांकि वह आईपीएल में अब भी मुम्बई इंडियंस के लिए खेलते हैं।

थॉमस और उबर कप बैडमिंटन में लक्ष्य और सिंधु पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन अगले महीने होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष टीम की कमान संभालेंगे। वहीं ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा उबर कप में महिला टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ ने 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के हॉर्सेंस में होने वाले थॉमस कप के लिए लक्ष्य के अलावा , किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को टीम में बरकरार रखा है। वहीं युवा आयुष शेट्टी को को भी पहली बार टीम में जगह दी है। पुरुष टीम में एमआर अर्जुन ध्रुव कपिला और किरण जॉर्ज को भी जगह मिली है। वहीं उबर कप में सिंधु, शीर्ष युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली भारती की ओर से पदक की प्रबल दावेदार रहेंगी। भारतीय टीम पिछली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी पर इस बार उसका लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उन्नति हुड्डा के साथ देविका सिरुग, इशारानी बरुआ और किशोरी तन्वी शर्मा जैसी युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी टीम में रहेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ के अनुसार खिलाड़ियों का चयन 10 मार्च तक की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किया गया है, जिसमें शीर्ष पांच एकल खिलाड़ी और शीर्ष दो युगल जोड़ियां शामिल हैं। टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

आंकड़ों में आरसीबी पर भारी नजर आती है सनराइजर्स

बेंगलुरु। गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के अपने पहले मुकाबले में अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलेगी। इस मैच में हालांकि आरसीबी की राह आसन नहीं कही जा सकती। आंकड़ों पर नजर डालें तो आईपीएल इतिहास में इन दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 26 मुकाबले हुए हैं। जिसमें से 13 मैच सनराइजर्स हैदराबाद ने जबकि 11 मुकाबले आरसीबी ने जीते हैं। वहीं दो मैचों का परिणाम नहीं निकला। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने पिछली बार खिताबी जीता था जिससे टीम इस बार बनाये रखना चाहेगी। आरसीबी की टीम के पास अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और फिल साल्ट सहित कई अच्छे खिलाड़ी हैं। वहीं देवदत्त पडिक्कल मध्यक्रम में रनों की जिम्मेदार संभालेंगे। इसके अलावा टिम डेविड और जितेश शर्मा ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा था। रोमारियो शेफर्ड और कृणाल पांड्या से भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। वहीं वेंकटेश अय्यर के आने से टीम की बल्लेबाजी मजबूत हुई है पर टीम की कमजोरी उनकी तेज गेंदबाजी है। टीम के मुख्य तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मुकाबले नहीं खेलेंगे। ऐसे में स्विंग के लिए मशहूर भुवनेश्वर कुमार गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज यश दयाल भी इस बार टीम में नहीं हैं। ऐसे में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। वहीं दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद एक बार फिर जमकर रन बनाना चाहेगी। उसके पास अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड और ईशान किशन जैसे अच्छे खिलाड़ी हैं। कप्तान पैट कमिंस के नहीं होने से ईशान शुरुआती मुकाबलों में कप्तानी संभालेंगे। वहीं हेनरिक क्लासन से भी टीम को आक्रामक बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी।

फिनिशर के तौर पर उसके पास अनिकेत वर्मा के अलावा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी हैं। लियाम लिविंगस्टन भी अपने को साबित करना चाहेंगे। सनराइजर्स की भी कमजोरी उसका गेंदबाजी आक्रमण है। मुख्य तेज गेंदबाज कमिंस के नहीं होने से गेंदबाजी की जिम्मेदारी ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट के पास रहेगी।

गावस्कर, बॉर्डर सहित इन क्रिकेटरों ने लगाया 100 से ज्यादा टेस्ट खेलकर बनाया रिकार्ड

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के नाम एक ऐसा रिकार्ड है जो किसी भी अन्य भारतीय क्रिकेटर के नाम नहीं है। गावस्कर एकमात्र ऐसे भारतीय बल्लेबाज हैं जिन्होंने लगातार 100 से ज्यादा टेस्ट मैच खेले है। वहीं किसी भी अन्य भारतीय क्रिकेटर ने लगातार इतने टेस्ट नहीं खेले है क्योंकि टेस्ट क्रिकेट में पांच दिनों तक खेलने के दौरा चोटिल होने का खतरा बना रहता है। भारत के अलावा अन्य देशों के भी कई क्रिकेटरों के नाम लगातार सौ से अधिक टेस्ट खेलने का रिकार्ड है।

सुनील गावस्कर (भारत) 2 जनवरी 1975 से फरवरी 1987 तक 106 टेस्ट

महान सलामी बल्लेबाजों में शामिल गावस्कर ने 70 और 80 के दशक में अपनी बल्लेबाजी से दुनिया भर में अपनी धाक जमाई। उस दौर में बिन हेलमेट के खेलते हुए गावस्कर ने अपने करियर में कुल 125 टेस्ट खेले। इसमें से 106 लगातार खेले। वे 10,000 टेस्ट रन पूरे करने वाले पहले क्रिकेटर बने। उन्होंने 10,122 रन बनाए, औसत 51.12 रहा। वे 30 टेस्ट शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी थे और 34 टेस्ट शतकों का रिकॉर्ड उनके नाम था।

एलन बॉर्डर (ऑस्ट्रेलिया) 2 मार्च 1979 से मार्च 1994 तक 153 टेस्ट ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर को एक अच्छे कप्तान के रूप में याद किया जाता है। बाएं हाथ के बल्लेबाज बॉर्डर ने टेस्ट में 11 हजार से ज्यादा रन बनाए हैं। उन्होंने अपने करियर में 156 में से 153 टेस्ट लगातार खेले हैं। . लंबे समय तक यह रिकॉर्ड उनके नाम रहा जिसे बाद में कुक ने तोड़ा। 1994 में संन्यास के समय बॉर्डर ने सबसे ज्यादा टेस्ट, सबसे ज्यादा लगातार टेस्ट, सबसे ज्यादा टेस्ट कप्तान के तौर पर और सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था.

मार्क वॉ (ऑस्ट्रेलिया) 2 जून 1993 से अक्टूबर 2002 तक 107 टेस्ट ऑलराउंडर मार्क वॉ ने 3 जून 1993 से 19 अक्टूबर 2002 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए लगातार 107 टेस्ट खेले।

आईपीएल से पहले नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर भड़के गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने लीग की शुरुआत से ठीक पहले नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों को आड़े हाथों लिया है। गावस्कर ने कहा कि इस प्रकार का रवैया ठीक नहीं है। इसके खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरत है। पिछले कुछ समय से लगातार देखने में आया है कि खिलाड़ी लीग से पहले कई प्रकार की बहानेबाजी कर हट जाते हैं जिससे टीम को नुकसान होता है।

गावस्कर ने कहा कि टीम करोड़ों रुपये देकर जब इन खिलाड़ियों का अनुबंधित करती। इसके बाद टीम की रणनीति बनती है पर इनके नहीं खेलने से सब बेकार हो जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार गावस्कर का कहना गलत नहीं है।

टीम नीलामी में करोड़ों रुपये खर्च कर विदेशी खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ती हैं, उनकी भूमिका तय करती है और उसी हिसाब से टीम का संयोजन बनाती हैं। वहीं जब यही खिलाड़ी टूर्नामेंट के अहम समय पर गायब हो जाते हैं, उसके लिए सभी कुछ बेकार हो जाता है। आमतौर पर चोट, वर्कलोड मैनेजमेंट, या फिर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए खिलाड़ी हटते हैं।यह अपने आप में गलत नहीं है।

किसी भी खिलाड़ी का फिट रहना और लंबे समय तक खेलना प्राथमिकता होनी चाहिए पर ये सवाल यह है कि जब खिलाड़ी आईपीएल अनुबंध करते हैं तभी उन्हें सभी बातों का ध्यान रखना चाहिये।

यहां मामला 'उपलब्धता' से ज्यादा 'प्राथमिकता' का है। इससे आईपीएल की साख भी प्रभावित हो रही है। ऐसा लगता हैकि आईपीएल विदेशी खिलाड़ियों के लिए सिर्फ एक विकल्प बनकर रह गया है, जहां वे सुविधा के अनुसार खेलते हैं और असुविधा होते ही हट जाते हैं जिस स्वीकार नहीं किया जा सकता।

ऐसे खिलाड़ियों को लीग से प्रतिबंधित कर दिया जान चाहिये। ऐसे में फ्रेंचाइजियां को अपने चयन में अधिक सतर्कता रखते हुए केवल उसी खिलाड़ी को शामिल करना चाहिये जो खेलने को लेकर गंभीर हो। खिलाड़ी की उपलब्धता और प्रतिबद्धता के ट्रैक रिकॉर्ड को भी चयन में पहली प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मीराबाई चानू ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेस के आयोजन पर खुशी जतायी

युवा प्रतिभाओं को मिलेगा अच्छा मंच

रायपुर। यहां खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (केआईटीजी) शुरु हो गये हैं जो 3 अप्रैल तक खेले जाएंगे। जिसमें 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के खिलाड़ी तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, भारोत्तोलन और कुश्ती सहित 9 खेलों में उतरेंगे। वहीं प्रदर्शनी खेलों में मल्लखंभ और कबड्डी को भी शामिल किया गया है। इससे आदिवासी क्षेत्रों की उभरती हुई प्रतिभाओं को सामने आने का अवसर मिलेगा।

इसी को लेकर ओलंपिक पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने खुशी जतायी है। मीराबाई के अनुसार देश भर से आने वाले आदिवासी समाज के खिलाड़ियों के एक मंच पर आने से काफी कुछ सीखने को मिलेगा। चानू ने कहा, पहली बार खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के आयोजन पर मुझे बहुत खुशी हुई है। आदिवासी समुदाय से आने वाले खिलाड़ियों के लिए यह एक अच्छा अवसर है। साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी को आगे बढ़ने के लिए काफी प्रयास करने पड़ते हैं, इसलिए इस प्रकार के मंच उसके लिए जरुरी हैं। इस प्रदर्शन से उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा, इंडिया ट्राइबल गेम्स में उन आदिवासी खिलाड़ियों को मौका मिलेगा, जो अलग-अलग खेल और राज्यों से होंगे। जिस प्रकार हमें राष्ट्रीयमण्डल सहित अन्य खेलों में दूसरे खिलाड़ियों से सीखने को मिलता है। वैसा ही अवसर इन खिलाड़ियों को भी मिलेगा।

चानू ने कहा, इन खेलों में हिस्सा ले रहे खिलाड़ियों के लिए मेरा संदेश ये है कि आप भी जो इवेंट में हिस्सा लें, उसे दिल से खेलें। आपको अपने खेल से प्यार करना जरुरी है। मैं युवा खिलाड़ियों को यही कहना चाहूंगी कि वे मेहनत करें और अपनी प्रतिभा दिखाएं। चानू ने आगी कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियाई खेलों सहित आने वाले टूर्नामेंटों को लेकर कहा कि मेरी तैयारी अच्छी चल रही है।

अर्जुन तेंदुलकर पर टिप्पणी को लेकर अश्विन पर भड़े योगराज

मुम्बई। अर्जुन तेंदुलकर को लेकर दिये बयान को लेकर पूर्व स्पिनर आर अश्विन और पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह में ठन गयी है। अर्जुन आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इंडियंस की जगह पर लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलेंगे। इसी को लेकर अश्विन की टिप्पणी आई है। जिसमें उन्होंने कहा है कि टीम में पहले से ही मयंक यादव, मोहसिन खान, आवेश खान और मोहम्मद शमी जैसे अच्छे तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में अर्जुन के लिए अंतिम एकादश में जगह बनाना आसान नहीं होगा और उन्हें काफी प्रयास करना होगा।

वहीं अश्विन के इस बयान से योगराज नाराज हो गये। उनका कहना है कि अश्विन की टिप्पणी गलत है। साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी की क्षमता पर इस तरह सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करना गलत है। योगराज ने यहां तक कह दिया कि अगर अर्जुन छह महीने में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज नहीं बनते, तो वह अपनी दाढ़ी कटवा लेंगे। योगराज ने साथ ही कहा कि अर्जुन को केवल गेंदबाज के रूप में देखना गलत है, बल्कि वह एक ऑलराउंडर के तौर पर अधिक प्रभावी साबित हो सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अर्जुन की फिटनेस और तकनीक को लेकर पहले भी चर्चा हो चुकी है और सही मार्गदर्शन मिलने पर वह बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

अर्जुन के लिए यह सीजन काफी अहम माना जा रहा है। मुंबई इंडियंस में सीमित अवसर मिलने के बाद लखनऊ ने उन्हें अवसर दिया है।

श्री झूलेलाल छठी महोत्सव में उमड़ पड़ा सिंधी समाज

पंडित कोमल शर्मा की त्यौहार पत्रिका का हुआ विमोचन

रीवा श्री झूलेलाल धर्मार्थ प्याऊ समिति जानकी पार्क रीवा के छठी महोत्सव कार्यक्रम में सिंधी समाज की भीड़ उमड़ पड़ीए कार्यक्रम में महिलाएं बच्चे एवं बुजुर्ग देर रात तक शामिल होने आते रहे और श्री झूलेलाल जी के छठी महोत्सव में आयोजित कार्यक्रमों का आनंद लेकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर एक दूसरे को बधाइयां देते रहेंसिंधु भवन में आयोजित श्री झूलेलाल धर्मार्थ प्याऊ के इस कार्यक्रम को शाम 7रू00 बजे से शुरू कर दिया गया कार्यक्रम की शुरुआत में प्याऊ समिति की महिला टीम ने पंडित कोमल शर्मा के नेतृत्व में बच्चों के डांस नृत्य फैंसी ड्रेस एवं एक प्रस्तुति कार्यक्रम का रोचक तरीके से प्रस्तुतीकरण किया जिसमें तीन साल से 10 साल तक के लगभग 50 बच्चे शामिल रहे कार्यक्रम का संचालन महिला समाजसेवी सुश्री कविता कोटवानी ने किया जिनका साथ पायल मोटवानीए नेहा झमवानीए आरती लखवानी ने दिया। कार्यक्रम के अगले चरण में महा आरती का बेहद आकर्षक कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसका संचालन पंडित कमल शर्मा एवं पचमठ भाग धाम के पंडितों द्वारा किया गया। इस अवसर पर सरदार प्रहलाद सिंह कन्हैया लाल मंगलानी शंकर साहनी कैलाश कोटवानी अशोक रोहड़ा राजकुमार टीलवानीए विजय थावानी कैलाश आहूजा खद्दू श्री झूलेलाल कृपा समिति के सदस्य अशोक भाईए हरीश पंजवानी चन्द्र लाल जेठवानी राजेश सोनेता शोभ राज बाधवानी कैलाश लखवानी कमल दौलतानी प्रेम चेलानी धनश्याम हसवानी राजेश चांदवानी किशोर पुरस्वानी शामिल रहे।

सिंचाई परियोजनाओं का कार्य जून माह तक पूरा कराएं - कलेक्टर

रीवा (कीर्तिप्रभा) . कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में जिले में सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि बहुती सिंचाई परियोजना, त्योंथर फ्लो सिंचाई परियोजना तथा नईगढ़ी सिंचाई परियोजना का कार्य जून माह तक पूरा कराएं। भू अर्जन के शेष प्रकरण तत्काल निराकृत कराएं। मुख्य नहर तथा डिस्ट्रीब्यूटरी नहरों का निर्माण तेजी से कराएं जिससे अगली फसल में किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिल सके। बहुती सिंचाई परियोजना से रीवा जिले के गुढ़, मनगवां, सिरमौर, मऊगंज जिले के देवतालाब क्षेत्र तथा सतना जिले के रामपुर बघेलान तहसील के गांवों को पानी मिलेगा।

कलेक्टर ने कहा कि त्योंथर फ्लो परियोजना तथा त्योंथर माइक्रो परियोजना का कार्य भी बारिश से पहले पूरा कराएं। दिव्यगवां शासकीय महाविद्यालय से समन्वय बनाकर नहर का शेष बचा कार्य पूरा कराएं। नहर में यदि किसी ने अवैध रूप से कब्जा किया है तो उस पर पुलिस के सहयोग से कार्यवाही करें। लोनीबांध परियोजना तथा नईगढ़ी माइक्रो सिंचाई परियोजना का कार्य भी तेजी से पूरा कराएं। बैठक में कार्यपालन यंत्री मनोज तिवारी ने बताया कि बहुती नहर की कुल लम्बाई 56 किलोमीटर है। इसमें अलग-अलग भाग में लगभग 14 किलोमीटर में निर्माण कार्य शेष है। इसे 30 जून तक पूरा कर लिया जाएगा। एक्वाडक्ट का कार्य 30 अप्रैल तक पूरा हो जाएगा। बैठक में कार्यपालन यंत्री बीपी मिश्रा ने बताया कि बीहर बराज के पास सेमरिया में तीन पम्प हाउस बनाए जा रहे हैं। इनमें से दो का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। एक का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। नहर बनाने के लिए हार्डस्टेटा होने के कारण 17 गांवों में सीमित क्षमता से ब्लास्टिंग का कार्य किया गया। नहरों का निर्माण जून माह तक पूरा हो जाएगा।

बैठक में कार्यपालन यंत्री अमरदीप त्रिपाठी ने बताया कि त्योंथर परियोजना में नहर का कार्य पूरा हो गया है। 15 स्थानों में भू अर्जन की कार्यवाही की जा रही है। दिव्यगवां कालेज के समीप लगभग सौ मीटर नहर का निर्माण शेष है। त्योंथर माइक्रो परियोजना का कार्य जून माह तक पूरा हो जाएगा। त्योंथर फ्लो परियोजना तथा लोनीबांध परियोजना का कार्य अगले वर्ष मार्च माह तक पूरा होगा। बहुती परियोजना से इस वर्ष 10 हजार हेक्टेयर में पानी उपलब्ध कराया गया। निर्माणाधीन पनवार सिंचाई परियोजना तथा महाना परियोजना का कार्य पूरा होने पर 14 हजार 800 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। आगामी दो वर्ष में सिंचाई परियोजनाओं का कार्य पूरा हो जाने पर रीवा जिले के लगभग 96 प्रतिशत क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। बैठक में जल संसाधन विभाग के सहायक यंत्री तथा निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इन्द्रवती लोक कला ग्राम रामपुर में जवारा महोत्सव का किया गया समापन

सीधी। इन्द्रवती लोक कला ग्राम रामपुर में तीन दिवसीय जवारा महोत्सव का भव्य एवं श्रद्धामय वातावरण में समापन हुआ। यह आयोजन इन्द्रवती नाट्य समिति के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्रभर से आए श्रद्धालुओं, ग्रामीणों और कला प्रेमियों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। पूरे आयोजन स्थल को पारंपरिक सजावट और धार्मिक प्रतीकों से सजाया गया था, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। महोत्सव के दौरान जवारा स्थापना, पूजन और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों को विधि-विधान के साथ संपन्न किया गया। लोगों में गहरी आस्था और उत्साह का अनोखा संगम देखने को मिला।

महोत्सव की खास पहचान रही लोक कलाकारों की आकर्षक और जीवंत प्रस्तुतियां। विभिन्न गांवों से आए कलाकारों ने पारंपरिक लोक नृत्य काली खप्पर और भगत गीत प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक वेशभूषा और लोक वाद्यों की धुन पर कलाकारों ने अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया, जिससे पूरे आयोजन में सांस्कृतिक समृद्धि की झलक देखने को मिली। दर्शक देर रात तक कार्यक्रमों का आनंद लेते रहे और कलाकारों का उत्साहवर्धन करते नजर आए। इस आयोजन ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी लोक परंपराओं से जोड़ने का भी कार्य किया।

प्रबंधन टीम के समर्पण से सफल हुआ आयोजन

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में प्रबंधन टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्थानीय प्रबंधन की जिम्मेदारी राजेश साकेत ने निभाई, जबकि समग्र प्रबंधन प्रजीत कुमार साकेत द्वारा किया गया। संयोजन का कार्य रजनीश कुमार जायसवाल ने संभाला, वहीं समन्वयन रोशनी प्रसाद मिश्र द्वारा किया गया।

बेला-चोरहटा बाईपास निर्माण कार्य का लिया जायजा

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने बेला-चोरहटा बाईपास निर्माण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण हो तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। यह मार्ग क्षेत्रीय यातायात को सुगम बनाते हुए आमजन को बेहतर आवागमन सुविधा प्रदान करेगा। हमारा लक्ष्य है कि विकास कार्यों में गति और गुणवत्ता दोनों सुनिश्चित हो, जिससे प्रदेश की आधारभूत संरचना और अधिक सुदृढ़ हो।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने किए माँ शारदा के दर्शन

प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की

रीवा (कीर्तिप्रभा) उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर मैहर पहुंचकर शक्तिस्वरूपा माँ शारदा देवी के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं हवन किया। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मैहर विधायक श्री श्रीकांत चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे।

प्रभु श्रीराम के आदर्श समाज के लिए मार्गदर्शक - उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रामनवमी के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, मर्यादा, त्याग और आदर्शों का अनुपम उदाहरण है, जो हमें धर्म, कर्तव्यनिष्ठा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम के आदर्श समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कामना की कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए तथा प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे।

उप मुख्यमंत्री ने रानी तालाब मंदिर में की पूजा-अर्चना

रीवा (कीर्तिप्रभा) . उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने रीवा शहर में स्थित रानी तालाब मंदिर में महाअष्टमी के अवसर पर माँ काली के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उप मुख्यमंत्री ने सभी के कल्याण के लिए मंगल कामना की। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोज कराया।

उप मुख्यमंत्री ने हिनौती गौधाम के निर्माण कार्यों की समीक्षा की

रीवा (कीर्तिप्रभा) . उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने न्यू सर्किट हाउस रीवा में हिनौती गौधाम में निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्माण एजेंसी को निर्देश दिये कि शेष कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने गौ शेड के अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के भी निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माणाधीन गेस्ट हाउस के शेष कार्य आगामी 3 दिनों में पूर्ण करें। उन्होंने कार्यों के भुगतान के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान एसडीएम सिरमौर दृष्टि जायसवाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शून्य प्रतिशत ब्याज का लाभ लेने किसान 28 मार्च तक जमा करें ऋण राशि

रीवा (कीर्तिप्रभा) जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित अन्तर्गत रीवा और मऊगंज जिले में 148 कृषि साख सहकारी समितियाँ संचालित है। इन समितियों द्वारा खरीफ वर्ष 2025 में लगभग 35 हजार किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर 136 करोड़ रुपए का ऋण दिया गया था। इनमें से 33500 किसानों द्वारा 128 करोड़ रुपए ऋण राशि जमा करा दी गई है। इस संबंध में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के महाप्रबंधक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने शेष किसानों से 28 मार्च तक बैंक से ली गई ऋण राशि जमा करने को कहा है, जिससे उन्हें ऋण पर शून्य प्रतिशत ब्याज का लाभ मिल सके। 28 मार्च के बाद जमा होने वाली ऋण राशि में शून्य प्रतिशत ब्याज का लाभ नही मिलेगा।

फरार आरोपी पर 10 हजार रूपये का ईनाम घोषित

मऊगंज पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने फरार आरोपी रामरक्षा कोल निवासी लोढ़ी की सूचना देने या गिरफ्तारी कराने पर 10 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया है।

समिति की बैठक 30 मार्च को

रीवा (कीर्तिप्रभा) . कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक 30 मार्च को सुबह 11 बजे कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित की गयी है। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जेपी तिवारी ने बताया कि बैठक में एमएसएमई उद्योगों के संवर्धन, विकास नीति एवं योजना के क्रियान्वयन के साथ ही जिला स्तर पर उद्योगों में आने वाली कठिनाईयों के निराकरण के संबंध में चर्चा की जायेगी।

एमपी टास पोर्टल में छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च

रीवा (कीर्तिप्रभा) पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए एमपी टास पोर्टल में आवेदन पत्र 31 मार्च तक जमा किये जा सकते है। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्प संख्यक कल्याण ने जिले के शासकीय व अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों से अपेक्षा की है कि निर्धारित समयावधि में पात्र विद्यार्थियों के आवेदन प्रस्तुत किये जांय ताकि उनका परीक्षण कर पोर्टल पर अगल चरण हेतु अग्रेषित किया जा सके।

मुख्य सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से अधिकारियों को दिए निर्देश

त्यौहारों के दौरान कानून और व्यवस्था की कड़ी निगरानी करें -

मनरेगा योजना से जल संरक्षण के कार्य प्राथमिकता से कराएं -

रीवा (कीर्तिप्रभा) मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक त्यौहारों के दौरान कानून और व्यवस्था की कड़ी निगरानी करें। सभी एसपी जोनल प्लान तैयार करके 31 मार्च तक प्रस्तुत कर दें। नशीले पदार्थों के विरूद्ध अभियान चलाने के साथ-साथ जन जागरूकता अभियान चलाएं। एनकोर समिति की हर महीने बैठक करके कार्यवाही विवरण पोर्टल पर दर्ज कराएं। सीएम हेल्पलाइन में सौ दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण कराएं। अविवादित नामांतरण तथा बटवारा के प्रकरण समय सीमा में निराकृत करें। सभी जिले निर्धारित लक्ष्य के अनुसार राजस्व का संग्रहण कराएं। सागर, इंदौर, भोपाल और जबलपुर जिले इस पर विशेष ध्यान दें। स्वामित्व योजना में शेष लंबित प्रकरणों का निराकरण एक माह में कराएं। इस योजना में मध्यप्रदेश देश में सबसे आगे है।

मुख्य सचिव ने कहा कि मनरेगा योजना से जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य प्राथमिकता से कराएं। इसे जल गंगा अभियान में शामिल करके पोर्टल पर प्रगति दर्ज करें। मनरेगा से दो लाख 51 हजार कार्य स्वीकृत हैं। इनमें जल संरक्षण के कार्यों को प्राथमिकता देने से जल गंगा संवर्धन अभियान अधिक प्रभावी बनेगा। एकल नलजल योजनाओं का निर्माण कार्य 31 मार्च तक पूरा कराकर इन्हें ग्राम पंचायतों को समारोहपूर्वक हैण्डओवर करें। साथ ही सभी घरों में नल कनेक्शन और पानी की आपूर्ति भी सुनिश्चित कराएं। एकल नलजल योजनाओं के स्रोत तथा हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाएं। बैठक में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को प्राकृतिक खेती, खाद के ई टोकन से शत-प्रतिशत वितरण, पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की आपूर्ति पर निगरानी के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की प्रदेश में पर्याप्त उपलब्धता है। इस संबंध में आमजनों को लगातार जानकारी दें। बैठक में अधिकारियों को गेंहू उपार्जन की तैयारी, स्वरोजगार योजनाओं की लक्ष्यपूर्ति, नरवाई प्रबंधन, अग्नि दुर्घटना से बचाव के उपाय, राहवीर योजना तथा प्रधानमंत्री दुर्घटना राहत योजना के संबंध में निर्देश दिए गए। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कमिश्नर कार्यालय से कमिश्नर बीएस जामोद, संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, उपायुक्त एलएल अहिरवार तथा कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान, आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सुरक्षा से समझौता कतई बर्दाश्त नहीं, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी – एमडी

एमपी ट्रांसको की प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक

1मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) मुख्यालय में आयोजित प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक में प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी परिस्थिति में सुरक्षा मानकों से समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ट्रांसमिशन कार्यों में जीरो एक्सीडेंट लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए निर्धारित सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का शत-प्रतिशत पालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। फील्ड में कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी की सुरक्षा कंपनी की पहली जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एमडी ने अधिकारियों को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि मेंटिनेंस अथवा अन्य कार्यों के दौरान सुरक्षा में कमी या अनदेखी के कारण हुई किसी भी दुर्घटना पर अब संबंधित फील्ड अधिकारी के साथ-साथ कार्य कराने वाले जिम्मेदार अधिकारी एवं सुपरवाइजर के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर कंपनी द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कराने जैसी कड़ी कार्यवाही भी की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों की गति से अधिक महत्व सुरक्षा को दिया जाए और हर स्तर पर सतर्कता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

संभाग में सरसों की बिक्री के लिए 29004 किसानों ने कराया पंजीयन

रीवा (कीर्तिप्रभा) रीवा संभाग में पिछले तीन वर्षों से सरसों के क्षेत्र और उत्पादन लगातार वृद्धि हो रही है। किसान हाईब्रिड बीज का उपयोग करके अच्छी मात्रा में उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं। रीवा संभाग में सरसों उपार्जन के लिए 29004 किसानों ने पंजीयन कराया है। संभाग की 11 कृषि उपज मंडियों में पंजीकृत किसानों से निर्धारित दरों पर सरसों का उपार्जन किया जाएगा। सरसों उत्पादक किसानों को भावांतर योजना का भी लाभ दिया जाएगा। सरसों का उपार्जन एक अप्रैल से 30 जून तक किया जाएगा। कमिश्नर बीएस जामोद ने उप संचालक मण्डी को सभी कृषि उपज मंडियों में सरसों के उपार्जन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए हैं।

इस संबंध में उप संचालक मण्डी ने बताया कि रीवा जिले में कृषि उपज मण्डी करहिया, चाकघाट तथा बैकुण्ठपुर में सरसों की खरीद की जाएगी। मैहर जिले में रामनगर, अमरपाटन तथा मैहर कृषि उपज मण्डी, सतना जिले में नागौद तथा सतना कृषि उपज मण्डी, सीधी जिले में सीधी कृषि उपज मण्डी तथा सिंगरौली जिले में सिंगरौली कृषि उपज मण्डी एवं मऊगंज में मऊगंज कृषि उपज मण्डी में सरसों की खरीद की जाएगी। इस वर्ष सरसों का अच्छा उत्पादन होने के कारण मण्डी में अच्छी आवक हो रही है। वर्तमान में 6500 से 7200 रुपए प्रति क्विंटल की दर से सरसों किसानों से खरीदा जा रहा है। मॉडल रेट से कम कीमत पर बिक्री होने पर भावांतर योजना का लाभ दिया जाएगा।

डीजल और पेट्रोल का पर्याप्त भण्डार है मौजूद - कलेक्टर

रीवा (कीर्तिप्रभा) . रीवा जिले के पेट्रोल पंपों में डीजल और पेट्रोल का लगातार वितरण किया जा रहा है। कुछ पेट्रोल पंपों में स्टॉक समाप्त होने के कारण वितरण नहीं हो रहा है। डीजल और पेट्रोल के टैंकर आते ही इनमें भी वितरण शुरू हो जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि रीवा जिले में डीजल और पेट्रोल का पर्याप्त भण्डार मौजूद है। जिले में प्रतिदिन डीजल की 90 हजार लीटर तथा पेट्रोल की 50 हजार लीटर की औसतन बिक्री होती है। अफवाहों के कारण 25 मार्च को इनकी मांग सामान्य से तीन गुना हो गई, जिसके कारण पेट्रोल पंपों में डीजल और पेट्रोल प्राप्त करने के लिए कतारें लगने लगीं। जिले में 26 मार्च को दोपहर 12 बजे तक 5 लाख लीटर से अधिक डीजल और पेट्रोल भण्डारित है। अलग-अलग पेट्रोल पंपों के 15 टैंकर रास्ते में हैं। शहरी क्षेत्र के कुछ पेट्रोल पंपों में एक साथ उपभोक्ताओं के पहुंचने के कारण वितरण में कठिनाई हो रही है। सभी एसडीएम, तहसीलदार तथा पुलिस अधिकारी पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस वितरण की व्यवस्थाएं मौके पर जाकर सुनिश्चित कर रहे हैं। कलेक्टर ने आमजनता से अपील करते हुए कहा है कि पेट्रोल और डीजल की कमी के संबंध में फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान न दें। डीजल और पेट्रोल का भय के कारण भण्डारण न करें। आमजनता को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार डीजल और पेट्रोल लगातार प्राप्त होगा। पेट्रोल पंपों में पैनिक डिमांड के कारण आम उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। आमजन अपनी आवश्यकता के अनुसार पेट्रोल डीजल प्राप्त करें। इनकी आपूर्ति के लिए पूरी तरह से आश्वस्त रहें। सोशल मीडिया तथा अन्य संचार माध्यमों में डीजल और पेट्रोल के संबंध में भ्रामक समाचार और अफवाह फैलाने वालों की

रामनवमी पर निकलेगी विशाल शोभायात्रा

सर्वसमाज से सहभागिता की अपील

जितेन्द्र शर्मा प्रतिनिधि । मां शारदा की पावन नगरी मैहर में रामनवमी के पावन अवसर पर आज विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल सहित समस्त हिंदू समाज के तत्वावधान में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह विशाल शोभायात्रा शाम 4 बजे बड़ा अखाड़ा मैहर से प्रारंभ होगी। कार्यक्रम का आयोजन पूज्य संत श्री सीतावल्लभ शरण जू महाराज के निर्देशन में किया जा रहा है। शोभायात्रा की शुरुआत ठीक 4:00 बजे बड़ा अखाड़ा से होगी जो की नगर के विभिन्न मार्ग से होते हुए पुनः बड़ा अखाड़ा पहुंचकर संपन्न होगी। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं एवं हिंदू संगठनों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

इस शोभायात्रा को सफल बनाने के लिए प्रमुख रूप से अनुराग मिश्रा, सुरेंद्र पटेल, महेश तिवारी, शिव चौरसिया, सशिक्षण तिवारी, रोहित चौरसिया, गणेश, लक्ष्मीकांत दुवेदी, भानु सिह बदौरिया, धर्मेंद्र शर्मा, बालेंद्र शुक्ला सहित बड़ी संख्या में हिंदू संगठन के कार्यकताह एवं श्रद्धालु शामिल होंगे, साथ ही इस शोभायात्रा में मातृशक्ति एवं महिला शक्ति की भी बड़ी संख्या में सहभागिता रहेगी,

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।